door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 276 | गुवाहाटी | मंगलवार, 7 मई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को करें तैयार : राष्ट्रपति — पेज 2
गुवाहाटी संसदीय क्षेत्र में मतदान की तैयारियां पूरी — पेज 3
आतंकवाद के समर्थक और राम विरोधियों को जनता नहीं करेगी... — पेज 5
आईएस खोरासान ने वेस्टइंडीज को वीडियो मैसेज भेजा इंडिया सुपर-8 में पहुंची... — पेज 7

लोस चुनाव असम : 47 उम्मीदवारों के भाग्य का निर्णय करेंगे 81 लाख से अधिक मतदाता

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में तीसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतदान में 47 उम्मीदवारों के भाग्य का निर्णय 81 लाख से अधिक मतदाता ईवीएम का बटन दबाकर करेंगे। मंगलवार को सुबह सात बजे से राज्य के चार लोकसभा कोकराझार (एसटी), धुबड़ी, बरपेटा और गुवाहाटी क्षेत्र में मतदान शुरू होगा। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने आज जनता भवन में तृतीय चरण के चुनाव के संबंध में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चुनाव संबंधी जानकारी साझा की। चुनाव आयोग के अनुसार तीसरे चरण में मुख्य रूप से असम गण परिषद (अगप), ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यीपीपीएल) चुनाव लड़ रही हैं। तीसरे चरण में कुल मतदाताओं की संख्या 81,49,091 हैं। जिसमें पुरुष 41,00,544, महिला 40,48,436 और तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 111 है। चुनाव में कुल 9516 ईवीएम का प्रयोग हो रहा है। वहीं औसत मतदान केंद्रों के अनुसार मतदाताओं की संख्या शहरी 1474, ग्रामीण 8042 है। जबकि, पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्रों की संख्या 326, मॉडल मतदान केंद्रों की संख्या 84, दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मतदान केंद्रों की संख्या 14, कुल वेब कास्टिंग केंद्रों की संख्या 5266 है। वहीं तीसरे चरण में कुल उम्मीदवारों की संख्या 47 है, जिसमें 41 पुरुष तथा 6 महिला हैं। आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर आज तक राज्य में कुल चुनाव से संबंधित कुल 221 शिकायतें दर्ज करायी गईं, जिसमें 219 का निपटारा कर दिया गया है। वहीं 12 बड़े मामले दर्ज किए गए हैं। चुनाव व्यय की निगरानी के तहत 209.7 करोड़ रुपए -शेष पृष्ठ दो पर

लोकसभा निर्वाचन के संबंध में जानकारी देते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुराग गोयल।

महिला मतदाताओं की संख्या अधिक लेकिन प्रत्याशियों की संख्या में गिरावट

गुवाहाटी। असम में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक होने के बावजूद केवल 12 महिला उम्मीदवार 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं जबकि पिछली बार 14 महिला प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा था। ये 12 महिला उम्मीदवार राज्य में 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से सात में चुनाव लड़ रही हैं। असम में कुल 2,45,72,144 मतदाता हैं जिनमें से 1,23,39,241 महिला मतदाता और 1,23,25,293 पुरुष मतदाता हैं। महिला मतदाताओं की संख्या अधिक होने के बावजूद महिला प्रत्याशियों की संख्या में गिरावट 2014 से जारी है जब 16 महिलाओं ने चुनाव लड़ा था। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक महिला उम्मीदवार बिजुली कलिता मेधी को प्रतिष्ठित गुवाहाटी सीट से टिकट दिया है, जबकि विपक्षी दल कांग्रेस ने गुवाहाटी में मीरा बरठाकुर गोस्वामी तथा काजीरंगा में रोजलीना तिर्की को उम्मीदवार बनाया है। छोटे दलों में गण सुरक्षा पार्टी ने दो महिलाओं जबकि हिंदू समाज पार्टी, गण संग्राम परिषद, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट) तथा वोटर्स पार्टी ने एक-एक महिला को टिकट दिया है और तीन महिलाएं निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही हैं। काजीरंगा में सबसे अधिक तीन महिला प्रत्याशी हैं। उसके बाद गुवाहाटी और कोकराझार (एसटी) में दो-दो और शोणितपुर, दरंग-उदालगुड़ी, नगांव, बरपेटा और धुबड़ी में एक-एक -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर राजनीतिक दलों को चेताया

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए चुनाव प्रचार में सोशल मीडिया के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग के लिए राजनीतिक दलों को निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया है। जानकारी को विकृत करने या गलत सूचना का प्रचार करने के लिए एआई आधारित उपकरणों के दुरुपयोग के खिलाफ पार्टियों को चेतावनी भी दी है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को गलत सूचना और डीप फेक के उपयोग पर चेताया है। राजनीतिक दलों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों का ध्यान दिलाया गया है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम 2021, भारतीय दंड संहिता और दोहरे अधिनियमों की रूपरेखा अर्थात् जन -शेष पृष्ठ दो पर

बेहतर भविष्य के लिए मतदान करने की तैयारी में हथियार छोड़ चुके पूर्व उग्रवादी

गोसाईगांव। उग्रवाद और हथियारों को चार साल पहले अलविदा कह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना भरोसा जता चुके पूर्व उग्रवादी बेसब्री से मतदान करने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनके मतों से चुनी गई सरकार उनसे किए गए वादों को पूरा कर सके। अब भंग किए जा चुके नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोड़ोलैंड (एनडीएफबी) ने 2020 में बोड़ो शांति संधि के तहत उग्रवाद का रास्ता छोड़ दिया था और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए संगठन के करीब 1,600 सदस्यों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। समझौते के बाद उन्होंने बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद में हिस्सा लिया था। वे एक बार फिर सात मार्च को कोकराझार लोकसभा सीट के लिए अपने मताधिकार के प्रयोग के लिए तैयार हैं। पूर्व उग्रवादी उम्मीदों से भरे हैं, जैसा कि लगभग 30 पूर्व उग्रवादियों के चेहरों पर दिखाई दे रहा था। वे पसीने से तरबतर होने के बावजूद शाम को अपने एक पूर्व सहयोगी के आंगन में एकत्र हुए थे। लेकिन धैर्य के जवाब देने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि समाज में घुलने-मिलने और खासकर आजीविका कमाने में मदद के संबंध में किया गया वादा अब भी जमीन पर पूरी तरह से नहीं उतरा है। बैठक में एकत्र लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करते प्रतीत हो रहे थे क्योंकि समझौते पर उनकी सरकार के तहत हस्ताक्षर किए गए थे, -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

जो अपने कर्म को नहीं पहचानता, वह अंधा है।
- आचार्य चाणक्य

पश्चिम बंगाल में भाजपा को जिता दो गुंडों को हम सीधा कर देंगे : अमित शाह

कोलकाता (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में एक चुनावी जनसभा में कहा कि बंगाल में तृणमूल और कांग्रेस जमकर भ्रष्टाचार को अंजाम देते रहे हैं। वे यूपीए शासन के दौरान देश में हुए आतंकवादी हमलों के दौरान चुप्पी साधे रहीं, क्योंकि वे अपने वोट बैंक के नाराज होने से डरती थीं। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही गुंडों को सीधा कर देंगे। उन्होंने बर्दवान-दुर्गापुर निर्वाचन क्षेत्र के दुर्गापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के 10 साल के कार्यकाल में आतंकवाद के प्रति कड़ा रुख अपनाया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया गया है, जबकि यूपीए सरकार आतंकवाद के प्रति नरम रुख अपनाती रही है। तृणमूल उस समय कांग्रेस सरकार का हिस्सा थी। उन्हें डर था कि अगर वे आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाएंगे तो उनका वोट बैंक नाराज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दिलीप दा को -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी अहमदाबाद में डालेंगे अपना वोट

अहमदाबाद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के गांधीनगर लोकसभा सीट के लिए अपना मत डालने के लिए सोमवार शाम को अहमदाबाद पहुंचेंगे। नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह 7.30 बजे अपना वोट डालेंगे। प्रधानमंत्री के मतदान के लिए यहां पहुंचने पर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की है। साथ ही अन्य मतदाताओं को कोई परेशानी न हो, इसकी भी खासतौर से ध्यान रखा है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार की शाम अहमदाबाद पहुंचेंगे और गांधीनगर -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिमी देशों के खिलाफ परमाणु अभ्यास करेगा रूस

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने सामरिक परमाणु हथियारों के उपयोग का अनुकरण करने वाले अभ्यास आयोजित करने की योजना बनाई है। यह घोषणा क्रेमलिन द्वारा यूक्रेन में युद्ध के बारे में वरिष्ठ पश्चिमी अधिकारियों की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह अभ्यास रूसी संघ के संबंध में कुछ पश्चिमी अधिकारियों के उत्तेजक बयानों और धमकियों के जवाब में है। बड़े पैमाने पर हथियारों की तुलना में सामरिक परमाणु हथियारों की उपज कम होती है, जो पूरे शहरों को नष्ट करने के इरादे से अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस होते हैं। लंबी दूरी की रणनीतिक मिसाइलों में लगे परमाणु हथियारों की तुलना में उनकी रेंज अपेक्षाकृत कम है और उनकी क्षमता बहुत कम है, जो पूरे शहरों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

हुगली में बम विस्फोट से एक बच्चे की मौत, दो घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली में रहस्यमय विस्फोट के कारण एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। यह घटना पांडुआ में तिन्ना नेताजी कॉलोनी में घटी। विस्फोट उस स्थान पर हुआ, जहां बच्चे खेल रहे थे। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के बाद अब अहमदाबाद के स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद। दिल्ली की तरह अब अहमदाबाद के कई स्कूलों को सोमवार, 6 मई को बम से उड़ने की धमकी वाला ईमेल मिला है। इसके बाद से ही अब छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों में दहशत और चिंता फैल गई। बताया जा रहा है कि ये एक रूसी हैंडलर द्वारा ही यह धमकी भरा मेल आया है। इस ईमेल के बाद पुलिस चौंकन्ना हो गई है और स्कूलों में तलाशी अभियान चला रही है। पुलिस ने कहा कि सोमवार को गुजरात के अहमदाबाद में छह से सात स्कूलों को ईमेल से इन संस्थानों को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत के लिए बड़ी समस्या बना कनाडा : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खालिस्तान आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित रूप से शामिल तीन भारतीय नागरिकों की गिरफ्तारी पर कनाडा सरकार की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने संगठित अपराध से जुड़े लोगों के लिए कनाडा की ओर से वीजा जारी करने को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अतिवाद, अलगाववाद और हिंसा के पैरोकारों को वैधता दे रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडा इस समय भारत के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। केंद्रीय विदेश मंत्री ने कहा कि अभी हमारी सबसे बड़ी समस्या कनाडा है, क्योंकि कनाडा में आज जो सरकार है, वह उग्रवाद, अलगाववाद और हिंसा की वकालत करने वालों को आजादी के नाम पर एक निश्चित वैधता दे दी है। जब आप उन्हें कुछ कहते हैं तो उनका जवाब होता है-हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, यह अभिव्यक्ति की -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी के खिलाफ 200 कुलपतियों ने लिखा खुला पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। देशभर के करीब 200 अग्रणी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने सोमवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के चयन प्रक्रिया संबंधी बयान की आलोचना करते हुए एक खुला पत्र लिखा है। कुलपतियों ने पत्र के माध्यम से राहुल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक्स हैंडल और अन्य स्रोतों से हमारे संज्ञान में आया है कि कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता की बजाय पूरी तरह से किसी संगठन से संबद्धता के -शेष पृष्ठ दो पर

15 हजार की सैलरी पाने वाले मंत्री जी के नौकर के घर 30 करोड़ बरामद

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को झारखंड के एक मंत्री के सचिव के कथित घरेलू सहायक के परिसरों की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद करने का दावा किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों द्वारा साझा किए गए *वीडियो* में ईडी के अधिकारियों को एक कमरे में से नोटों की गड्डियों को ले जाते हुए देखा जा सकता है। जिस स्थान पर छापा मार गया, वह कथित तौर पर राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक से जुड़ा बताया जा रहा है। ईडी के सूत्रों ने कहा कि कितनी राशि बरामद की गई है इसका पता लगाने के लिए नोटों की गिनती की जा रही है और यह राशि 20-30 करोड़ रुपए के बीच हो सकती है। सूत्रों ने कहा कि बरामद की गई नकदी में मुख्यरूप से 500 रुपए के नोट हैं और कुछ आभूषण भी बरामद किए गए हैं। आलम (70) कांग्रेस नेता हैं और झारखंड विधानसभा में पाकुड़ सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह छापेमारी ग्रामीण -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की बेटी सुनीता विलियम्स रचने जा रही हैं इतिहास, तीसरी बार अंतरिक्ष में भरेंगी उड़ान

नई दिल्ली। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एक बार फिर इतिहास रचने जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक, सुनीता मंगलवार को बतौर पायलट तीसर बार अंतरिक्ष की उड़ान भरने को तैयार हैं। वह बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान से उड़ान भरेंगी जिसे फ्लोरिडा में केप केनवेरल के अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से छोड़ा जाएगा। स्टारलाइनर विलियम्स और बुच विलमोर को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र लेकर जाएगा। यह मिशन संकटग्रस्त बोइंग कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण और बहु-प्रतीक्षित सफलता हो सकती है। अंतरिक्ष यान सोमवार को स्थानीय समयानुसार रात 10:34 बजे (मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 8:04 बजे) रवाना होगा। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) ने विलियम्स के हवाले से कहा कि हम सभी यहां हैं क्योंकि हम सभी तैयार हैं। हमारे दोस्तों और मित्रों ने इसके बारे में सुना है, हमने इसके बारे में बात की है, वो खुश और गौरवान्वित हैं कि हम इस प्रक्रिया का हिस्सा हैं। अंतरिक्ष यान के विकास में कई तरह की मुश्किलें सामने आने के बाद इस अभियान में कई वर्षों की देरी हुई है। अगर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए छात्रों को करें तैयार : राष्ट्रपति

धर्मशाला (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि छात्रों को 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वह विद्यार्थियों के चरित्र व व्यक्तित्व का निर्माण करने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को सोमवार को धर्मशाला में स्थित हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में छात्रों को गोल्ड मेडल और डिग्रियां प्रदान कीं। समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है लेकिन अतीत में बदलाव की गति इतनी तेज़ नहीं थी। आज हम चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग जैसे नए क्षेत्र तेजी से उभर रहे हैं। परिवर्तन की गति और परिमाण दोनों ही बहुत अधिक हैं, जिसके कारण प्रौद्योगिकी और आवश्यक कौशल बहुत तेज़ी से बदल रहे हैं। राष्ट्रपति ने छात्रों को 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की शुरुआत में कोई नहीं जानता था कि अगले 20 या 25 वर्षों में लोगों को किस तरह के कौशल की आवश्यकता होगी। इसी तरह कई मौजूदा कौशल अब भविष्य में उपयोगी नहीं रहेंगे। इसलिए हमें लगातार नए कौशल अपनाने होंगे। हमारा ध्यान लचीला दिमाग विकसित करने पर होना चाहिए। जिससे युवा पीढ़ी तेजी से हो रहे बदलावों के साथ तालमेल बिठा सकें। हमें छात्रों में सीखने की जिज्ञासा और इच्छा को मजबूत कर उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना होगा। शिक्षकों से राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो छात्रों को शिक्षित करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाए और उनके चरित्र और व्यक्तित्व का निर्माण करे। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में अपनी संस्कृति, परंपरा और सभ्यता के प्रति जागरूकता लाना भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस संबंध में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उनका कार्य केवल शिक्षण तक ही सीमित नहीं है, उन पर देश के भविष्य के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा ध्यान क्या सीखें के साथ-साथ कैसे सीखें पर भी होना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि जब छात्र बिना किसी तनाव के स्वतंत्र रूप से सीखते हैं, तो उनकी रचनात्मकता और कल्पना को उड़ान मिलता है। ऐसे में वे शिक्षा को सिर्फ आजीविका का पर्याय नहीं मानते, बल्कि, वे नवप्रवर्तन करते हैं, समस्याओं का समाधान ढूंढते हैं और जिज्ञासा के साथ सीखते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि हर व्यक्ति में अच्छाई और बुराई दोनों की क्षमता होती है। युवाओं को यह ध्यान रखने की सलाह दें कि चाहे वे कितनी भी कठिन परिस्थिति में क्यों न हों, उन्हें कभी भी बुराई को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। उन्हें सदैव अच्छाई का पक्ष लेना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कलियाबर इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात कलियाबर के खरूभगीया इलाके में बीते रात रसोई गैस टैंकर (एएस-25सीसी-9324) और कर (एएस-03एके-5253) के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में मौके पर ही एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान जोरहाट निवासी अभिजीत सैकिया (29) के रूप में की गई है। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों के चालक कई घंटे वाहन के अंदर फंसे रहे। स्थानीय लोग, पुलिस और अग्निशमन की मदद से दोनों चालकों को घायल अवस्था में वहां से बाहर निकाल गया। दोनों चालकों को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस मृतक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी, उसके परमाणु बम हम पर भी गिरेंगे : फारूक

श्रीनगर (हि.स.)। पूर्व मुख्यमंत्री व नेकां के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान *पीओके का भारत में विलय होगा* पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं और उसके पास परमाणु बम भी हैं, जो हम पर ही गिरेंगे। उन्होंने कहा कि अगर रक्षा मंत्री कह रहे हैं तो इस संबंध में आगे बढ़ना चाहिए कि उन्हें कौन रोक रहा है और फिर हम भी रोकने वाले कौन होते हैं? लेकिन यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान ने भी चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं। पाक के पास भी परमाणु बम हैं और वह परमाणु बम जम्मू-कश्मीर यानि हम पर ही गिरेगा। दूसरी ओर अब्दुल्ला के बेटे व पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि भाजपा को पहले जम्मू-कश्मीर क्षेत्र की सभी समस्याओं को हल करने की जरूरत है और कोई भी उन्हें पीओके को भारत में विलय करने से नहीं रोक रहा। पहले क्षेत्र की सभी समस्याओं को हल करने की जरूरत है। उधर जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद यहां पहली बार लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। इस बार फारूक अब्दुल्ला को विपक्षी गठबंधन का साथ देना महंगा पड़ गया है। कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन के खिलाफ जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (जेकेएनसी) की लद्दाख इकाई ने पार्टी से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। जेकेएनसी के अतिरिक्त महासचिव और लद्दाख के प्रभारी कंबर अली अखोने ने खुलासा किया कि पार्टी के उच्च स्तर के नेता लगातार दबाव के बाद ही इस्तीफा देने का निर्णय किया गया। पार्टी के अंदर आई इस फूट से फारूक को एक बड़ा झटका लगा है। ऐसे समय में क्षेत्र में पार्टी की आंतरिक कलह नेतृत्व के लिए चिंताजनक है। नेशनल कांफ्रेंस के नेता कंबरअली अखून ने पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को पत्र लिखकर सभी कार्यकर्ताओं का इस्तीफा सौंपा है। उनका कहना है कि पार्टी हाई कमान का फैसला कारगिल के लोगों के खिलाफ जा रहा है।

ड्रग्स समेत एक गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई जिलांतर्गत लंका इलाके में पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि लंका पुलिस द्वारा रेल लाइन के समीप चलाए गए अभियान के दौरान चार ड्रग्स भरे कंटेनर के साथ ड्रग्स तस्कर बाप्पा दास उर्फ हीरा दास को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवक लंका के 6 नंबर वार्ड का निवासी बताया गया है। गिरफ्तार युवक ने पुलिस को बताया कि वह होजाई के शिकारी गेट निवासी नूर अली से उसने ड्रग्स खरीदा था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

गोलकगंज में 89 बोतल विदेशी शराब जब्त

धुबड़ी (हिंस)। लोकसभा चुनाव के तीसरे एवं राज्य के अतिम चरण के मतदान के पूर्व धुबड़ी गोलकगंज प्रशासन ने ड्राई डे के दिन नशीले पदार्थों को लेकर एक तलाशी अभियान चलाया है। पुलिस ने इस दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब जब्त की है। दरअसल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 और असम उत्पाद शुल्क नियम 2016 (संशोधन) की धारा 1951 और 135 (सी) के तहत धुबरी जिले में तीसरे चरण के संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के मद्देनजर असम के राज्यपाल ने शराब रखने और बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बाद भी कुछ असामाजिक तत्व अंग्रेजी शराब का व्यापार करने की जानकारी मिली थी। ड्राई डे के चलते सोमवार को एक सूचना के आधार पर गोलकगंज थाना से सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार नाथ के नेतृत्व में पुलिस ने गोलकगंज टेपटेपी बाजार में छापा मारकर 89 बोतल अंग्रेजी शराब को जब्त किया। हालांकि, इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। धुबड़ी जिले में 7 मई को लोकसभा के लिए मतदान होना है।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No. 71 PSC/DR-23/1/2023-24

NOTIFICATION

It is for Information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold Interview/Viva-Voce for recruitment to the post of **Director of Economics and Statistics under Transformation and Development Department (Advt. No. 22/2023 dated 24/08/2023)** as per programme given below at Its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22 on **16-05-2024 (Thursday).**

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	**Director of Economics and Statistics under Transformation and Development Department**	**16-05-2024 (Thursday)**	**9.00 AM**

Kindly note that the candidates appearing in the interview/viva-voce must bring the following testimonials in original alongwith self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the tnterview:

a. H.S.L.C. Admit/Pass Certificate as a proof of age
b. H.S.L.C. Marksheet and Pass Certificate
c. H.S.S.L.C. Marksheet and Pass Certificate
d. Degree Marksheet and Pass Certificate
e. Diploma of atleast 2 years Post Graduate Training in Statistics.
f. Post Graduate Marksheet (All Semester) and Pass Certificate.
g. Experience certificate as per mentioned in aforementioned Advt.
h. **No Objection Certificate from their respective employer.**
i. Caste certificate (if applicable).
j. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The list of candidates will be uploaded in **APSC's website (www.apsc.nic.in) on 06-05-2024. The intimation letters shall be uploaded on 09- 05-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

sd/-
Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 603 /24/7-May-24

पृष्ठ एक का शेष

लोस चुनाव असम...

के विभिन्न प्रकार के सामान जब्त किए गए। जिनमें 19.1 करोड़ रुपए नगद, 31.8 करोड़ रुपए मूल्य के 8.26 लाख लीटर शराब, 129.5 करोड़ो रुपए मूल्य के ड्रग्स, 28.8 करोड़ रुपए मूल्य के अन्य आपत्तिजनक सामान जब्त किए गए। वहीं दूसरी ओर आचार संहिता लागू होने से लेकर आज तक कुल 32 हथियार जब्त किए गए। 85 कार्टीज एवं विस्फोट जब्त किए गए, लाइसेंसधारी हथियारों की संख्या 18202 है। वहीं 15315 हथियार जमा कराये गए। 2611 वारंट जारी किए गए, जिसमें से 1185 वारंट तामील किए गए। वहीं अब तक चुनाव से संबंधित कुल 10 घटनाएं दर्ज की गई हैं। हालांकि, कोई बड़ा मामला अब तक सामने नहीं आया है। वहीं, दूसरी ओर अंतरराज्यीय 178 नाका, राज्य के अंदर 440 नाका लगाए गए हैं। जबकि, 502 फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए गए हैं, इसके साथ ही 452 सांख्यिकीय निगरानी टीम तथा 93 त्वरित कार्रवाई टीमों को भी तैनात किया गया है।

महिला मतदाताओं की ...

महिला प्रत्याशी है। देश में पहले आम चुनाव से लेकर अब तक केवल 18 महिला उम्मीदवारों ने राज्य में लोकसभा चुनाव लड़ा है। बहरहाल, मतदान प्रक्रिया में महिला मतदाताओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि आई है। 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को पहले दो चरणों के मतदान में 79.92 प्रतिशत मतदान हुआ। गुवाहाटी से कांग्रेस उम्मीदवार मीरा बरठाकुर गोस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी ने दो महिलाओं को टिकट दिया है, जबकि संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने वाली भाजपा ने इस पूर्वोत्तर राज्य में केवल एक महिला को टिकट दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महिलाओं को वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करती है और उसने उनमें डर पैदा किया है कि अगर वे भाजपा के लिए वोट नहीं करती या चुनावी बैठकों में भाग नहीं लेती हैं तो योजनाओं से उनके नाम हटा दिए जाएंगे। वहीं, भाजपा उम्मीदवार मेधी ने दावा किया कि किसी पूर्ववर्ती सरकार ने महिलाओं पर इतना ध्यान केंद्रित नहीं किया जितना की भाजपा ने उन्हें विभिन्न लाभ देकर पिछले 10 साल में किया है।

पश्चिम बंगाल में ...

जिता दीजिए, गुंडों को हम सीधा कर देंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ की अनुमति देने का आरोप लगाते हुए शाह ने दोहराया कि वह अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हुईं, क्योंकि वह अपने घुसपैठिए वोट बैंक को नाराज करने से डरती थीं। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी और तृणमूल को अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए सीमावर्ती राज्य में घुसपैठ की अनुमति देने पर शर्म आनी चाहिए।

बेहतर भविष्य के लिए...

और पूर्व उग्रवादियों का मानना है कि समझौते के सभी खंडों को लागू करने के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण है। लेकिन वे चाहते हैं कि चीजें तेजी से हों जिससे वे आत्मविश्वास से अपने जीवन को आगे बढ़ा सके। स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने में सरकार द्वारा की गई पहल में मिशन फिर खिलेंगे प्रमुख है। इसके तहत पूर्व उग्रवादियों को विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सहकारी समितियों में संगठित किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे निकाय के महासचिव बिनौल वार ने कहा कि 2,100 से अधिक सदस्यों वाली कुल 19 सहकारी समितियां पहले ही पंजीकृत हो चुकी हैं, जबकि अन्य दो का गठन हो चुका है और वे पंजीकरण की प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कुल 30 सहकारी समितियां गठित करने का लक्ष्य है जिनमें बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के बाहर रहने वाले पूर्व उग्रवादियों को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंजीकृत सहकारी समितियों में से आठ के पास पहले से ही योजनाएं है जिनके क्रियान्वयन के लिए धन स्वीकृत हैं। इनमें पांच की योजना चावल मिल स्थापित करने की है। एक पूर्व एनडीएफबी उग्रवादी ने दावा किया, हमें इन आठ सहकारी समितियों के लिए धन प्राप्त हुआ है लेकिन यह सभी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं है। चावल मिल के लिए जरूरी उपकरण नहीं है जबकि सैनिटेरी पैड की निर्माण इकाई में उपकरण तो है लेकिन कच्चा माल खरीदने के लिए पैसे नहीं है। एक अन्य पूर्व उग्रवादी मार्क दैमारी ने कहा कि बैंक से ऋण लेना लगभग असंभव है क्योंकि इसके लिए कुछ गिरवी रखने की जरूरत होती है जो उनके पास नहीं है। सहकारी समितियों के लिए कागजी कार्रवाई करने वालों में शामिल दैमारी ने कहा कि यहां तक कि हमने सीएसआर के तहत राशि प्राप्त करने के वास्ते निजी कंपनियों से भी संपर्क किया लेकिन हमें बताया गया कि सहकारी समितियों को सीएसआर की राशि आवंटित नहीं की जा सकती।

ईसी ने सोशल मीडिया...

प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 और आदर्श आचार संहिता के प्रावधान शामिल हैं। आयोग ने कहा है कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के मद्देनजर अन्य निर्देशों के अलावा पार्टियों को विशेष रूप से कुछ सामग्री से परहेज करना चाहिए। इसमें डीप फेक ऑडियो/वीडियो को प्रकाशित और प्रसारित करना, स्पष्ट रूप से गलत, असत्य या भ्रामक प्रकृति की किसी भी गलत सूचना या जानकारी को प्रसारित करना, महिलाओं के प्रति अपमानजनक सामग्री पोस्ट करना, अभियानों में बच्चों का उपयोग करने से बचना, हिंसा या जानवरों को नुकसान पहुंचाने का चित्रण करने जैसी सामग्री शामिल है। आयोग ने कहा कि पार्टियों को चाहिए कि वे संज्ञान में लाने के तीन घंटे के भीतर सामग्री को तुरंत हटाएं। अपनी पार्टी में जिम्मेदार व्यक्ति को चेतावनी दें, संबंधित प्लेटफार्मों पर गैरकानूनी जानकारी और नकली उपयोगकर्ता खातों की रिपोर्ट करें और लगातार मुद्दों को शिकायत अपीलीय समिति तक पहुंचाएं।

पीएम मोदी अहमदाबाद ...

राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगे। मोदी मंगलवार सुबह 7.30 बजे वे अहमदाबाद के राणीप क्षेत्र में अंबिका चौराहे के समीप निशान स्कूल में अपना मत डालेंगे। मोदी का बूथ अहमदाबाद में साबरमती विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और साबरमती गांधीनगर लोकसभा सीट अंतर्गत है। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मंगलवार को सुबह 9.15 बजे अहमदाबाद के नारणपुरा स्थित कामेश्वर महादेव मंदिर के समीप सब जोन ऑफिस के रूम नंबर 1 में मतदान करेंगे। यह मतदान केंद्र भी गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 7 मई को सुबह 8.30 बजे या 9.30 बजे शीलज के प्राथमिक शाला के बूथ नंबर 99 पर वोटिंग करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल सुबह 8.30 बजे सूरत के भटार स्थित उमा भवन के पास उत्तर गुजरात स्कूल में अपना वोट डालेंगे। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया सुबह 8 बजे भावनगर जिले के पालीताणा के अणोल स्थित सरकारी स्कूल में मतदान करेंगे। केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला सुबह 7 बजे अमरेली लोकसभा सीट के लिए अमरेली के इश्वरिया स्थित प्राथमिक शाल में मतदान करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सुबह 8 बजे राजकोट के रैया रोड ब्रह्म समाज के समीप अनिल ज्ञानमंदिर में अपना वोट डालेंगे।

पश्चिमी देशों के...

को तबाह करने में सक्षम हैं। यह घोषणा यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों को दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध में और अधिक गहराई से शामिल होने के बारे में एक चेतावनी प्रतीत हुई। यूक्रेन के कुछ पश्चिमी साझेदारों ने पहले ही युद्ध को भड़काने के बारे में चिंता व्यक्त की है, क्योंकि उन्हें डर है कि यह यूक्रेन से आगे बढ़ सकता है और नाटो और रूस के बीच संघर्ष में बदल सकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले हफ्ते दोहराया था कि वह यूक्रेन में सेना भेजने से इनकार नहीं करते हैं और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड कैमरन ने कहा कि कीव की सेनाएं रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए ब्रिटिश लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करने में सक्षम होंगी। क्रेमलिन ने उन टिप्पणियों को खतरनाक बताया, जिससे रूस और नाटो के बीच तनाव बढ़ गया। युद्ध ने पहले ही मॉस्को और पश्चिम के बीच संबंधों पर काफी दबाव डाल दिया है। यह पहली बार नहीं था कि यूक्रेन के लिए यूरोप के सैन्य समर्थन ने रूसी अधिकारियों को परेशान किया है और परमाणु हमले के लिए प्रेरित किया है। पिछले साल मार्च में यूके सरकार द्वारा यूक्रेन को ख़त्म हुए यूरेनियम वाले कवच-भेदी गोले प्रदान करने के निर्णय के बाद, पुतिन ने घोषणा की कि उनका इरादा बेलारूस के क्षेत्र पर सामरिक परमाणु हथियार तैनात करने का है।

दिल्ली के बाद अब ...

उड़ाने की धमकी दी गई। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) और आनंद निकेतन जैसे स्कूलों ने कहा कि उन्हें बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं और उन्होंने पुलिस नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया है। धमकी भरे ईमेल की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीमें शहर के विभिन्न स्कूलों में पहुंच गई है।फिलहाल, तक पुलिस की टीम को कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। इसके साथ ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अहमदाबाद प्रशासन ने अभिभावकों से पैनिक न होने की अपील की है और कहा है कि खतरे की कोई बात नहीं है। बम निरोधी दस्ता भी मौके पर मौजूद है। रिपोर्टों के मुताबिक, गुजरात पुलिस और बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) की टीमें स्थानों पर मौजूद हैं और मामले की आगे की जांच जारी है। अहमदाबाद में यह घटना दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कई स्कूलों को इसी तरह की धमकियां मिलने के कुछ दिनों बाद हुई है। बता दें कि, दिल्ली के स्कूलों को भी इसी पैटर्न में ईमेल मिले थे। दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हालांकि, यह बाद में फर्जी साबित हुआ। इस संबंध में एक एफआईआर भी दर्ज की गई थी। दिल्ली पुलिस ने एफआईआर में यह दावा किया कि बम संबंधी ईमेल भेजने का मकसद बड़े पैमाने पर दहशत पैदा करना और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ना था। प्राथमिकी तक पहुंच रखने वाले आधिकारिक सूत्र के अनुसार, बुधवार को सुबह 5:47 बजे से अपराह्न 2:13 बजे के बीच कई स्कूलों की तरफ से, बम धमकी मिलने के बारे में कम से कम 125 कॉल आई थीं। सूत्र ने कहा कि कॉल आने के बाद पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) वाहन स्कूल पहुंचे और जिला पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), एमएसी, विशेष प्रकोष्ठ और अपराध नियंत्रण कक्ष, डीडीएमएस, एनडीआरएफ, *फायर कैट्स* व अन्य एजेंसियों को सतर्क किया गया। सूत्र के अनुसार प्राथमिकी में कहा गया है कि स्कूलों की ओर इन इकाइयों की आवाजाही के कारण काफी असुविधा हुई।

भारत के लिए बड़ी ...

आजादी है। उन्होंने कहा कि वहां जो हो रहा है, उसका विरोध किया जाएगा। न्यूटन का राजनीति का नियम वहां भी लागू होगा। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सोचते हैं कि अपराधियों को बढ़ावा देने की उसकी हरकतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं होगी। जयशंकर ने पंजाब में संगठित अपराधों से जुड़े अपराधियों को वीजा देने के लिए कनाडा सरकार की आलोचना की और कहा कि सच्चाई यह है कि पंजाब के संगठित अपराध से जुड़े कई लोगों का कनाडा में स्वागत किया गया है। ये बात समझ से परे है कि भारत के वांछित अपराधियों को कनाडा सरकार वीजा क्यों दे रही है। जयशंकर ने बताया कि इनमें से कई लोग झूठे दस्तावेजों पर कनाडा जाते हैं, लेकिन उन्हें रहने की अनुमति दी जाती है।

हुगली में बम ...

फिलहाल मामले की जांच कर रही है। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने इस बम विस्फोट को लेकर टीएमसी को घेरा है। उन्होंने दावा किया कि पांडुआ में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के चुनाव प्रचार से पहले सत्तारूढ़ पार्टी यहां डर फैला रही है।

राहुल गांधी के खिलाफ...

आधार पर की जाती है, जिससे योग्यता पर सवाल उठता है। कुलपति और अन्य वरिष्ठ शिक्षाविदों ने संयुक्त बयान में राहुल गांधी के बयान को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया योग्यता के आधार पर पारदर्शी तरीके से चल रही है। साथ ही, कुलपति अपने कार्य में संस्थानों के सम्मान और नैतिकता का भी ख्याल रखते हैं। यह भी कहा जाता है कि अगर वैश्विक रैंकिंग पर नजर डालें तो भारतीय विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। इस बीच, संयुक्त बयान पर 180 कुलपतियों और शिक्षाविदों के हस्ताक्षर हैं। हस्ताक्षरकर्ताओं में संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, एनसीईआरटी, नेशनल बुक ट्रस्ट, एआईसीटीई और यूजीसी आदि के प्रमुख भी शामिल हैं। कुलपतियों का पत्र कांग्रेस नेता की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि इन पदों पर चयन प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण थी। नागपुर में आयोजित कांग्रेस के 138वें स्थापना दिवस समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को लेकर बड़ा बयान दिया कि देश के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अयोग्य हैं। इनका चयन एक खास विचारधारा के संगठन के तौर पर ही किया गया है।

15 हजार की सैलरी...

विकास विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम के खिलाफ एक धनशोधन के मामले से जुड़ी है। वीरेंद्र राम को पिछले साल ईडी ने गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने पिछले साल अप्रैल में जारी एक बयान में आरोप लगाया था कि रांची में ग्रामीण कार्य विभाग में मुख्य अभियंता के रूप में तैनात वीरेंद्र कुमार राम ने ठेकेदारों को निविदा आवंटित करने के बदले में उनसे रिश्वत के नाम पर अवैध कमाई की थी। एजेंसी ने अधिकारी की 39 करोड़ रुपए की संपत्ति भी जब्त की थी। बयान में कहा गया है कि इस प्रकार अपराध से अर्जित आय का उपयोग वीरेंद्र कुमार राम और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा *आलीशान* जीवनशैली जीने के लिए किया जाता था। राम के खिलाफ धन शोधन का मामला झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एक शिकायत से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, ईडी को जानकारी मिली थी कि आलमगीर आलम के मंत्रालय में भ्रष्टाचार चल रहा था। उसके बाद मंत्री के निजी सचिव के नौकर के यहां छापेमारी की गई। जब ईडी के अधिकारी वहां पहुंचे तो उन्हें नोटों का पहाड़ बरामद किया ईडी बी हैरान ती कि जिस शख्स को सैलरी के रूप में 15 हजार रुपए मिलते हों, उसके घर से इतना कैश बरामद होगा, हालांकि अब अधिकारियों ने नोट गिनने वाली मशीन और कर्मचारियों को बुलाया है। इस मामले में विभाग के मुख्य अभियंता वीरेंद्र के राम को पिछले साल फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बिहार और दिल्ली के साथ-साथ रांची, जमशेदपुर और झारखंड के अन्य स्थानों पर कई तलाशी शुरू करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। 2019 में वीरेंद्र के राम के एक मातहत के पास से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। बाद में, प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण (पीएमएलए) अधिनियम के तहत मामले को अपने हाथ में ले लिया। इस बीच, भाजपा ने मांग की है कि आलमगीर आलम को तुरंत हिरासत में लिया जाए और नकदी बरामदगी को लेकर *सख्ती से पूछताछ* की जाए। झारखंड भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि ताजा नकदी बरामदगी से एक बार फिर साबित हो गया है कि कांग्रेस काले धन के कारोबार में उलझी हुई है। झारखंड सरकार के भ्रष्टाचार की अंतहीन कहानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। अभी कुछ दिन पहले कांग्रेस के एक सांसद के घर और कार्यालय से 300 करोड़ रुपए नकद बरामद हुए थे। उनके आवास से 10 करोड़ रुपए से अधिक की नकदी बरामद हुई थी। (पूर्व) मुख्यमंत्री (हेमंत सोरेन) के करीबी पंकज मिश्रा के सहयोगियों, अब मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घर से 25 करोड़ रुपए से अधिक की वसूली की जानी चाहिए उन्हें तुरंत हिरासत में लिया जाए, उनसे सख्ती से पूछताछ की जानी चाहिए और ईडी द्वारा इस पैसे के संबंध का पता लगाया जाना चाहिए।

भारत की बेटी सुनीता...

यह कामयाब हो जाता है तो एलन मस्क की *स्पेसएक्स* के साथ यह दूसरी निजी कंपनी बन जाएगी जो चालक दल को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र तक ले जाने और वापस लाने में सक्षम होगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने 22 मार्च को एक संवाददाता सम्मेलन में स्टारलाइनर के आगामी अभियान के बारे में कहा था कि इतिहास बनने जा रहा है। हम अंतरिक्ष अन्वेषण के स्वर्ण युग में हैं। नासा ने 1988 में सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुना था और उनके पास दो अंतरिक्ष अभियानों का अनुभव है। उन्होंने एक्स्पीडिशन 32 की फ्लाइट इंजीनियर और एक्स्पीडिशन 33 की कमांडर के तौर पर सेवा दी थी। पहली अंतरिक्ष यात्रा एक्स्पीडिशन 14/15 के दौरान विलियम्स ने नौ दिसंबर 2006 को एसटीएस-116 के चालक दल के साथ उड़ान भरी थी और 11 दिसंबर 2006 को वह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पहुंचीं। पहली अंतरिक्ष यात्रा में उन्होंने अंतरिक्ष में कुल 29 घंटे और 17 मिनट की चार बार चहलकदमी करने के साथ महिलाओं के लिए विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद अंतरिक्ष यात्री पेग्गी व्हिटसन ने अंतरिक्ष में कुल पांच बार चहलकदमी कर 2008 में यह रिकॉर्ड तोड़ दिया था।

विकसित भारत समाचार

गुवाहाटी/आसपास

3

तापमान
अधिकतम 24⁰ न्यूनतम 21⁰

मंगलवार, 7 मई, 2024

लोकसभा चुनाव : धुबड़ी में 46 मतदान केंद्र महिलाओं द्वारा संचालित

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी संसदीय क्षेत्र में तीसरे चरण में मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई है। धुबड़ी लोकसभा सीट के तहत विधानसभा की कुल 11 सीटें आती हैं। इनमें गोलकगंज, गौरीपुर, धुबड़ी, बीरसिंह जारुआ, बिलासीपाड़ा, मानकचार, ग्वालपाड़ा पूर्व, जलेश्वर, सृजनग्राम, मांदिया और सेंगा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इस क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 26,60,827 है। इनमें से 13,62,217 पुरुष जबकि, 12,98,585 महिला मतदाता हैं। निर्वाचन क्षेत्र में कुल मतदान केंद्र 3,024 हैं। 46 महिलाओं द्वारा संचालित मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान केंद्रों में से 1114 संवेदनशील और 227 अति संवेदनशील हैं। मतदान कराने के लिए धुबड़ी निर्वाचन क्षेत्र में 14,518 मतदान अधिकारियों को तैनात किया गया है। वहीं, इन बूथों पर 11,162 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

गुवाहाटी संसदीय क्षेत्र में मतदान की तैयारियां पूरी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में लोकसभा चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के लिए गुवाहाटी संसदीय क्षेत्र में मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राजधानी के मणिराम देवान ट्रेड सेंटर में चुनाव सामग्री का वितरण किया गया। कामरूप (मेट्रो) जिले के कुल 10.55 लाख मतदाता मंगलवार को मतदान करेंगे। इस क्षेत्र में 26 मॉडल मतदान केंद्र हैं। जबकि, 100 मतदान केंद्र महिला अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा संचालित किए जाएंगे। वाहनों में जीपीएस सेवा का इस्तेमाल किया जा रहा है। कामरूप (मेट्रो) जिले के गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र के दिसपुर, डिमोरिया, न्यू गुवाहाटी, गुवाहाटी सेंट्रल और जालुकबाड़ी विधानसभा क्षेत्रों में कल तीसरे और अंतिम चरण के तहत मतदान होगा। मतदान के लिए ईवीएम और अन्य चुनाव सामग्री शहर के मणिराम देवान ट्रेड सेंटर में आज वितरित की गई। चुनाव सामग्री के साथ मतदान अधिकारी नामित वाहनों में अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो चुके हैं। मतदान केंद्रों तक आने-जाने का मार्ग निर्धारित करने के लिए प्रत्येक वाहन को जीपीएस से लैस किया गया है। इस प्रक्रिया की निगरानी संबंधित अधिकारियों द्वारा की जाएगी। कामरूप (मेट्रो) चुनाव जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 10,55,6 है। इनमें से 5,15,052 पुरुष और 5,40,596 महिला मतदाता हैं। जिले में इस बार 36 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। कामरूप (मेट्रो) चुनाव जिला

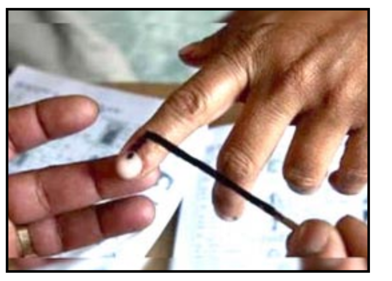

कार्यालय के अनुसार, इनमें से 15,960 मतदाता 18 से 19 वर्ष की आयु के नए मतदाता हैं। जबकि, 8,212 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता हैं और 912 सेवा मतदाता हैं। इस बीच, कामरूप (मेट्रो) चुनाव जिले में 1,026 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। मतदान प्रक्रिया के संचालन के लिए 1,283 पीठासीन अधिकारी, 4,620 मतदान अधिकारी और आवश्यक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा जिले में 564 वेब कास्टिंग की व्यवस्था की गई है। चुनाव आयोग ने कामरूप (मेट्रो) चुनाव जिले में 79 मतदान केंद्रों को महत्वपूर्ण, 87 को संवेदनशील और पांच को दुर्गम के रूप में पहचाना गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मतदान केंद्रों ने पहले ही आवश्यक कदम उठा लिए हैं। आचार संहिता लागू होने के बाद से कामरूप (मेट्रो) जिले में 78 लाख रुपए के बाजार मूल्य के 61 हजार लीटर से अधिक अवैध शराब जब्त की गई है।

सड़क दुर्घटना में एक छात्र की मौत दो घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के रुपहीहाट इलाके में डंपर द्वारा ठोकर मारे जाने से एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, दो को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को रुपहीहाट बाजार इलाके में डंपर (एएस-25ईसी-8723) की चपेट में आने से बाइक (एएस-02एएल-1637) पर सवार एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, दो को गंभीर अवस्था में नगांव मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भर्ती में भर्ती कराया गया है। मृत छात्र की पहचान गुनाबाड़ी निवासी मामूद जमान के रूप में की गई है। जबकि, घायल इकरामुल हक और इफ्तिखार अहमद का गंभीर अवस्था में इलाज चल रहा है। सभी छात्र एक ही गांव के रहने वाले बताए गए है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत छात्र के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

हैलाकांदी में पेट्रोल-डीजल की किल्लत

हैलाकांदी (हिंस)। बराक और ब्रम्हपुत्र घाटी के बीच संपर्क कट जाने से बराक घाटी में पेट्रोल-डीजल की कमी हो गई है। हैलाकांदी में पेट्रोल-डीजल की कमी के चलते उपभोक्ताओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हैलाकांदी जिले के एक पेट्रोल डिपो में पेट्रोल नहीं होने की जानकारी मिली है, जिसके चलते उपभोक्ता परेशान हैं। पेट्रोलियम पदार्थ न मिलने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों और यात्रियों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। यह स्थिति पिछले तीन दिनों से हो रही बरसात के कारण ट्रेन और सड़क मार्ग पर कई स्थानों पर लैंसस्लाइड हुआ है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के

एक अधिकारी ने हिंदुस्थान समाचार को सोमवार को बताया है कि पिछले एक पखवाड़ा से रेलवे लाइन डिमा हसाओ जिले में लैंस्लाइड का शिकार हुई है, जिसके चलते ट्रैक कमजोर हो गया है। यही कारण है कि पैंसजर ट्रेनों की आवाजाही तो हो रही है, लेकिन गुड्स ट्रेनों का परिचालन बंद है। जिसके कारण बराक घाटी समेत अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को सामानों को भेजा नहीं जा रहा है। दरअसल, ट्रेन के जरिए बड़े पैमाने पर जरूरत के सामानों को पहुंचाना आसान होता है। हर साल मानसून के समय ट्रेनों के परिचालन पर असर होता है। सड़क मार्ग से सामान बड़े पैमाने पर नहीं पहुंच पाता है। यही वजह है कि बराक घाटी में पेट्रोलियम पदार्थों की वर्तमान समय में किल्लत हो रहा है। पूसीरे के अधिकारी ने बताया है कि रेलवे ट्रैक की मरम्मत का कार्य जोरशोर से चल रहा है, इस बीच बरसात भी काफी जोर से हो रही है, जिसके चलते मरम्मत के कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है।

बजाली : तीसरे चरण के मतदान की तैयारियां पूरी, केंद्रों तक पहुंचे कर्मी

बजाली (हिंस)। जिला प्रशासन ने तीसरे चरण में मंगलवार को होने वाले मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली है। 21वीं भवानीपुर सरभोग विधानसभा क्षेत्र में 254 मतदान केंद्रों और 26वीं बजाली विधानसभा क्षेत्र में 220 मतदान केंद्रों के लिए मतदान और पीठासीन अधिकारी भट्टदेव विश्वविद्यालय से रवाना किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बजाली जिला प्रशासन निष्पक्ष और शांतिपूर्वक मतदान कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यहां 7 मई को मतदान होना है। 21वीं भवानीपुर सरभोग विधानसभा क्षेत्र और 26वीं बजाली विधानसभा क्षेत्रों में कुल 30 महिला संचालित मतदान केंद्र और 4 मॉडल मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिला के आयुक्त और पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। महिला अधिकारियों के संचालित मतदान केंद्रों पर महिला सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के 14 लोकसभा क्षेत्रों में पहले और दूसरे चरण के दौरान 10 लोस क्षेत्रों में मतदान हो चुका है। अब तीसरे चरण में 7 मई को चार लोकसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। जिसमें गुवाहाटी, बरपेटा, धुबड़ी और कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। तीसरे चरण में 81 लाख से अधिक मतदाता मतदान करेंगे।

कोकराझाड़ लोस चुनाव में कुल 12 उम्मीदवार ठोक रहे ताल

कोकराझाड़ (विभास)। एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 9 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 7 मई को तीसरे चरण के चुनाव के लिए मंच तैयार है। पीठासीन अधिकारियों और मतदान अधिकारियों सहित मतदान दल अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। 7 मई को सुबह 7 बजे से मतदान होगा। कुल 1862 मतदान केंद्रों पर 7,41,328 पुरुष और 743236 महिलाओं सहित कुल 14,94,404 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 296 मतदान केंद्रों को संवेदनशील के रूप में पहचाना गया है। कोकराझाड़ के उपायुक्त और रिटर्निंग अधिकारी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने कहा कि जिले के अंतर्गत पांच विधानसभा क्षेत्रों-गोसाईगांव दोतमा, कोकराझाड़, बाउखुगरी और परावतझोरा में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। कड़ी सुरक्षा के बीच होने वाले इस चुनाव में 12 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा, जहां लोग सुशासन, शांति और सुरक्षा के लिए वोट करेंगे।

वंदे भारत ट्रेनों में 500 मिलीलीटर रेल नीर जल उपलब्ध

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय रेलवे (आईआर) के निर्णय के अनुसार पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों के लिए सभी वंदे भारत ट्रेनों में 500 मिलीलीटर रेल नीर पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर (पीडब्ल्यूडी) की बोतलें उपलब्ध करने का निर्णय लिया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि ट्रेनों में पीने के पानी के दुरुपयोग को कम करने और चल रही गर्मी के मौसम को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। पेयजल जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, भारतीय रेलवे ने यात्री सुविधा और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पहल के अनुसार, सभी वंदे भारत ट्रेनों में प्रत्येक यात्री को 500 मिलीलीटर पानी की बोतल दी जाएगी। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर, बिना कोई अतिरिक्त राशि लिए, यात्रियों की मांग पर 500 मिलीलीटर की अतिरिक्त पानी की बोतल भी मुहैया कराई जाएगी। वंदे भारत ट्रेनों में टिकट बुक करने वाले अधिकांश यात्री सामान्य रूप से कम दूरी के लिए यात्रा करते हैं। इसलिए, 500 मिलीलीटर पानी की बोतलें यात्रियों के लिए उनकी छोटी यात्रा के दौरान अधिक सुविधाजनक और पर्याप्त

हैं। रेलवे ने कई कारकों पर विचार करने के बाद 500 मिलीलीटर की बोतलें पेश करने का फैसला किया है जो यात्रियों और पर्यावरण दोनों के लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। देश में पहली वंदे भारत ट्रेन 2019 में शुरू की गई थी। यात्रा के दौरान, उत्कृष्ट दृश्य और अतिरिक्त सामान रैक कुछ उपयुक्त सुविधाएं हैं जिनसे यात्रियों को वंदे भारत ट्रेनों में आनंद प्राप्त होता है। 500 मिलीलीटर पैकेज्ड पीने के पानी की बोतलों को पेश करने का कदम पूर्वोत्तर राज्यों और देश के बाकी हिस्सों के यात्रियों के लिए एक अतिरिक्त सुविधा यात्रा के दौरान प्रदान करेगी।

गेस्ट हाउस में छात्र ने की आत्महत्या

कछार (हिंस)। गेस्ट हाउस में एक छात्र की आत्महत्या के मामले को लेकर सनसनी फैल गई है। सोमवार को सिलचर के घुंघुर थाने के एनआईटी गेस्ट हाउस में आत्महत्या के मामले की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पाया कि एक एनआईटी के छात्र किशोर प्राण डेका (20) ने गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 04 के बाथरूम के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। स्थानीय कार्यकारी मजिस्ट्रेट को सूचित किया गया। पूछताछ के तुरंत बाद मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एसएमसीएच, सिलचर भेज दिया गया। प्रारंभिक जांच के दौरान, यह पता चला कि मृतक गंभीर अवसाद से पीड़ित था। तदनुसार उसके माता-पिता को बुलाया गया। परिवार छात्र के साथ वहीं रह रहा था। इसी दौरान उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मायुमं, रंगिया की शपथ विधि समारोह संपन्न

रंगिया (निसं)। गत 5 मई को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान ने रंगिया शाखा का दौरा किया। उनके साथ मंडलीय उपाध्यक्ष बिनीत हरलालका, प्रांतीय चेयरमैन अमित कांसाल, बरपेटा रोड के सदस्य बिनय हरलालका की उपस्थिति में शपथ विधि समारोह का आयोजन डुंगरमल जाजोदिया स्मृति भवन में किया गया गया। समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष श्री जालान ने सत्र 2024-25 के लिए नई समिति को शपथ पाठ करवाया, जिसमे अध्यक्ष आशिक सुरेका, सचिव शशांक जैन, कोषाध्यक्ष गौरव सिकरिया, उपाध्यक्ष राजेश अगरवाल को पद व गोपनीयता का शपथ पाठ करवाया गया। सभा में रंगिया शाखा के पूर्व अध्यक्ष प्रद्युमंन जैन, कैलाश छत्रिका, रंगिया अमृत शक्ति शाखा की अध्यक्षा श्रीमती ज्योति सराफ व सदस्या तथा रंगिया शाखा के सदस्य उपस्थित रहे।

गुवाहाटी, अमृत शाखा ने नेत्र जांच शिविर का किया आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच की गुवाहाटी समृद्धि शाखा और अमृत शाखा ने संयुक्त रूप से नारायण नगर स्थित हरियाणा गेस्ट हाउस में एक नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की शुरुआत गुवाहाटी समृद्धि शाखा की सचिव अरुणा शर्मा ने सभी महानुभावों का स्वागत अभिनंदन कर किया और गुवाहाटी समृद्धि शाखा अध्यक्ष अंजू शर्मा ने अपना स्वागत सम्बोधन सबके समक्ष रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन दास ने नेत्र जांच शिविर की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम करते रहने का सुझाव दिया। शिविर में 387 लाभार्थी ने शिविर का लाभ उठाया। जिसमे 57

मोतियाबिंद ऑपरेशन पंजीयन हुए। नेत्र जांच शिविर में मुख्य अतिथि डॉ. धीरेन दास पणिकर, विशिष्ठ अतिथि सुरेंद्र गोयल, प्रांतीय उपाध्यक्ष मितेश सुराणा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के महामंत्री सुभाष सुराणा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शर्मा और समाजसेवी मनोज लोढ़ा सहित अन्य कई गणमान्य अतिथि मौजुद रहे। नेत्र जांच शिविर के संयोजक सोनिका अग्रवाल, खुशबू बरड़िया, परमेश्वर रांकावत और निमिषा जैन ने कार्यक्रम का संचालन बहुत ही सुंदर रूप से किया और सभी ने संयोजकों द्वारा किए कार्य की खूब सराहना की। कार्यक्रम के अंत में गुवाहाटी अमृत शाखा सचिव सीए निरंजन अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

लमडिंग में लगी आग में पांच दुकानें जलकर राख

गुवाहाटी (हिंस)। लमडिंग में लगी आग में पांच दुकानें जलकर राख हो गईं। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आग की चपेट में पांचों व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। यहां तक कि भारी बारिश भी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नहीं बचा पाई। यह आग लमडिंग के हुरलंगफार लास्ट कॉलोनी में सोमवार की सुबह करीब 4 बजे लगी। आग लगने से एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान के अंदर गैस सिलेंडर भी फट गया। अनुमान है कि आग में लाखों रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सूचना पाकर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आखिरकार आग पर काबू पा लिया। तबतक पांच व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह जलकर राख हो गए थे।

स्वेच्छासेवी संस्था साधना का 19वां स्थापना दिवस संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया की अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था साधना का 19वां स्थापना दिवस रविवार को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर कई विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत प्रात: 5.15 बजे रंगिया तिनाली स्थित पोदुम पुखुरी उद्यान प्रांगन में सामूहिक योगाभ्यास, प्रात: 7.45 बजे से रंगिया नगर के बीच स्थित ऐतिहासिक कृषक शहिद भवन प्रांगण में बच्चों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अलावा रंगिया के गड़का स्थित स्वस्ति आश्रम प्रांगण में योग शिक्षक तथा प्रशिक्षकों का प्रीति सम्मेलन समारोह आयोजित किया गया। संस्था के सचिव तथा योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता के संचालन में आयोजित इस समारोह में गणमान्य लोगों की उपस्थिति में साधना योग महाविद्यालय की ओर से वर्ष 2023-24 के एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के शिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता रंगिया मानवेंद्र शर्मा बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्या कनिका गोस्वामी ने की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित योग प्रक्षिक्षुओं ने योग के विषय में अपने अनुभवों को व्यक्त किया। कार्यक्रम में

आमंत्रित अतिथि के रूप में रंगिया स्वस्थि अस्पताल के प्रबंध निदेशक तथा विशिष्ट चिकित्सक डॉ. हितेंद्र कलिता, रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रमुख अध्यापिका रानू चौधुरी, योगाचार्य ज्योतिष कलिता, रंगिया महाविद्यालय के असमिया विभाग के सेवानिवृत प्रमुख अध्यापक मुकुल कलिता सहित योग शिक्षक उत्पल दत्त ने भाषण प्रदान करते हुए योग के महत्व पर प्रकाश डाला और इस मौके पर कई गणमान्य लोगों के अलावा साधना योग महाविद्यालय और कुमार भास्कर बर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय योग शिक्षा के प्रशिक्षु और योग उत्साही उपस्थित थे। वहीं योग की चर्चा के आलावा कार्यक्रम के दौरान विश्व हंसी दिवस का भी पालन किया गया जिसके कारण कार्यक्रम और भी अधिक रोमांचक बन गया।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव सदर पुलिस चौकी अंतर्गत पानीखेती इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-36 पर हुए एक सड़क दुर्घटना में टेंपो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीती रात सदर थाना इलाके के पानीखेती के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-36 पर सरिया से लदा एक ट्रेलर (एनएल-01एसी-0207) खड़ा था। जिसके पीछे टेंपो (एए-02सीसी-0112) जा टकराया। इस सड़क हादसे में टेंपो चालक रमेन विश्वास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृत चालक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

प्लास्टिक रिसाइकलिंग मशीन का लोकार्पण किया

गुवाहाटी (विभास)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सॉल्यूशन टू प्लास्टिक पॉल्यूशन अभियान के अंतर्गत गुवाहाटी स्थित आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ रिसर्च फाउंडेशन धारापुर में प्लास्टिक रिसाइकलिंग मशीन का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्षा अमराव देवी बोथरा व उनकी टीम, राष्ट्रीय महामंत्री नीतू ओस्तवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रमन पटावरी, राष्ट्रीय कन्या मंडल सहप्रभारी सोनम बागरेचा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या रंजू लुनिया, मनीषा बोथरा, सुचित्रा छाजेड़, श्रीमती सीमा बैद,

एटीएमआरएफ के पदाधिकारी व सदस्यगण, युवक परिषद अध्यक्ष जयंत सुराणा व स्थानीय समाज बंधुओं की गरिमामय उपस्थिति थी। इस मशीन के प्रायोजक सुशील नवीन सेठिया है। कार्यक्रम का कुशल संचालन रंजु खटेड़ ने किया व आभार ज्ञापन मंत्री ममता जी दुगड़ ने किया। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती विनीता सुराणा ने दी।

जीआरए की सातवीं वार्षिक साधारण सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी रिएल्टर्स एसोसिएशन की सातवीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन बहुत ही गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस सभा में जीआरए के नए अध्यक्ष के तौर पर सर्वसम्मति से गौरव अग्रवाल को चुना गया। कार्यक्रम में एनएआर इंडिया के ईस्ट जोन के निदेशक राजेश बैद एवं महेश सोमानी रेरा चेयरमैन एनएआर इंडिया ने कोलकाता से आकर इस समारोह की गरिमा बधाई। दुर्गापुर रिएल्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबुल सरकार ने भी इस समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं कार्यक्रम की प्रशंसा की। अध्यक्ष चुने जाने के बाद श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में सभी उपस्थित सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत एवं

आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंप गई है वह पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ उसका निर्वहन करेंगे। उन्होंने कार्यक्रम में अपनी कार्यकारिणी की भी घोषणा की, जिसमें उपाध्यक्ष के तौर पर अमित जैन, सचिव अभिमन्यु मोदी, उप सचिव गौतम बाहेती, कोषाध्यक्ष पवित्र कुमार डेका एवं उपकोषाध्यक्ष विशाल शर्मा को नियुक्त किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि अध्यक्ष के तौर पर उनका मुख्य कार्य सभी रिजल्ट्स को एक प्लेटफार्म प्रदान करना एवं उनके कार्यों को और भी संगठित करना है। कार्यक्रम में संजय कुमार अग्रवाल को आगामी 2 वर्षों के लिए सर्वसम्मति से चेयरमैन नियुक्त किया गया। इस कार्यक्रम में रेरा अध्यक्ष महेश सोमानी का रेरा के ऊपर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी रिजल्ट्स को रेरा से संबंधित पूरी जानकारी दी गई। श्री महेश सोमानी हिंदुस्तान के जाने-माने रेरा विशेषज्ञ हैं एवं भारत सरकार की रेरा कमेटी के सदस्य भी हैं। कार्यक्रम का संचालन अमित जैन ने किया। अपने समापन भाषण सचिन अग्रवाल ने बताया कि जीआरए एकमात्र रिएल्टर की संस्था है एवं हमारे सभी रिएल्टर्स पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हैं। इस कार्यक्रम में 10 नए रिएल्टर्स ने भी जीआरए की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का शुभारंभ शगुन अग्रवाल के गणेश वंदना नृत्य से एवं समापन मुस्कान अग्रवाल के मधुर गीत से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में स्टेट एंथम बजाकर एक नई परंपरा की शुरुआत की गई।

संपादकीय

कसम चुनाव की

चुनाव के तपते महीने के मुहाने पर खड़ा ऋण किसी भी पार्टी के लिए अपवाद नहीं। खुशखबरी यह कि दिसंबर तक की वित्तीय मोहलत में 6200 करोड़ तक का कर्ज उठाने का सामर्थ्य हमें इस लायक बना रहा है कि चुनाव परिणाम कुछ भी रहें, प्रदेश की तकदीर में उधार का भूसा भरा रहेगा। अप्रैल-मई में हजार जमा सात सौ करोड़ की ऋण अनुमति के हम सिकंदर हैं, लेकिन कसम चुनाव की, इसको लेकर कोई बहस नहीं होगी। बहस तो यह होगी कि आखिर कंगना रनौत खाती और पहनती क्या है या आनंद शर्मा कितने अपने-कितने प्रतिशत बाहरी हैं। हमारे मुद्दे टकराऊ हैं जरूर। अगर आप में सामर्थ्य है तो बताएं मेडिकल कालेजों, एम्स तथा पीजीआई सेटेलाइट सेंटर का श्रेय किसे दें। वैसे हम श्रेय लूट कर ही कंगाल हो रहे हैं। घाटे के बस डिपो खोलने का श्रेय, छात्रों के बिना स्कूल-कालेज खोलने का श्रेय और अस्पताल खोलकर डाक्टर की तलाश करने का श्रेय लूटना कोई हिमाचल से सीखे। हमारे चुनाव की सुर्खियां इस काबिल भी नहीं कि पिछले साल के उठाए गए 8300 करोड़ के कर्ज पर अफसोस कर सकें। हमें कौन सी आफत है कि राज्य के मुकद्दर पर बैठे करीब सत्तर हजार करोड़ के ऋण का दुख मनाएं। दुखी तो हम तब होते हैं जब विपक्ष में पहुंचा दिए जाते हैं, वरना सत्ता में रहते हुए तो अदना सा विधायक भी कह उठता है कि प्रदेश में धन की कमी आने नहीं देंगे। वाकई धन है सरकारी नौकरी में और ओल्ड पेंशन स्कीम में। सरकार की हर गारंटी में। हमें मुफ्त में बिजली और महिला होने पर पंद्रह सौ का वजीफा मिल जाए तो दुख काहे का। हमें एचआरटीसी का बढ़ता घाटा नहीं सताता, क्योंकि महिला यात्री बनते ही आधा किराया और करवा चौथ व राखी पर मुफ्त में सरकारी बस पर चढने का मौका मिल जाता है। जिस प्रदेश की हर साल कर्ज उठाने से नाक नहीं कटती, वहां नागरिक समाज क्यों मुफ्त में खाने से न नुकर करें। हम बीपीएल होकर वीआईपी हो जाते हैं और शुक्रगुजार हैं केंद्र सरकार के कि कुछ हो या न हो, मुफ्त के राशन में हिमाचल का भाषण भी शरीक हो जाता है। हम राज्य और केंद्र की सत्ता में परोसी जा रही रेवडियों के इतने मुरीद हैं कि न प्रदेश और न ही देश की आर्थिकी रास आती है। इस पर तुर्रा यह कि डबल इंजन सरकार बन कर भी हमारी लालटेन में तेल खरीदने की शक्ति नहीं। कहने को हम विद्युत राज्य और शुक्रिया शांता कुमार और नरसिंहा सरकार का कि हिमाचल में पैदा होने वाली बिजली में से मुफ्त की आपूर्ति रायल्टी स्वरूप मिल रही, वरना बीबीएमबी में लटके हमारे वित्तीय अधिकार आज भी सजायाफ्ता हैं। सुक्खू सरकार ने जोश जोश में बीबीएमबी को ललकारा तो केंद्र को पसंद नहीं आया। वाटर सैस लगाकर खजाने को धूप टीका दिया, तो फिर केंद्र को मजा नहीं आया। इधर सुक्खू सरकार आत्मनिर्भरता के लिए शानन विद्युत परियोजना की लीज खत्म होने के बाद, वापसी की प्रतीक्षा कर रही उधर केंद्र व पंजाब के चुनाव हमारे अपने चुनावों को आंखें दिखा रहे हैं। अटल सरकार ने कभी औद्योगिक पैकेज दिया तो बीबीएन ने आर्थिक दवाई बनानी शुरू कर दी, लेकिन इस पैकेज को रोकने वाले अब हिमाचल के हित में वोट मांग रहे हैं। हिमाचल चुनाव की फेहरिस्त में वेतन-भत्तों की चर्बी एक तरफ और दूसरी तरफ उधार की कड़छी में सारा दारोमदार शीर्षासन कर रहा। चुनाव की डगर में तमाम प्रत्याशियों की वचनबद्धता को सलाम। आम मतदाता को अपने सपने दिखाएं, भले ही चिडियां न जाने कब खेत को चुग चुकी हैं। अब शराब बेचेंगे, तो राज्य की आमदनी बढ़ेगी, वरना रेत-बजरी तो माफिया की नजर में घर कर चुकी है। जिन्हें रोजगार नहीं मिलता चुनाव की दिहाड़ी मिल सकती है। पोस्टर चिपकाने, ढोल बजाने, नारे लगाने या भीड़ बन जाने के लिए चुनाव की हैसियत तो राज्य के खजाने से बेहतर है, लेकिन उधारी में फटेहाल हिमाचल के दांतों में मंजन करने के लिए हम जनादेश के लिए बाध्य और मजबूर रहेंगे। चुनाव को इससे क्या लेना देना कि आर्थिक संसाधन विहीन हिमाचल को करना क्या चाहिए।

अप्रैल-मई में हजार जमा सात सौ करोड़ की ऋण अनुमति के हम सिकंदर हैं, लेकिन कसम चुनाव की, इसको लेकर कोई बहस नहीं होगी। बहस तो यह होगी कि आखिर कंगना रनौत खाती और पहनती क्या है या आनंद शर्मा कितने अपने-कितने प्रतिशत बाहरी हैं। हमारे मुद्दे टकराऊ हैं जरूर। अगर आप में सामर्थ्य है तो बताएं मेडिकल कालेजों, एम्स तथा पीजीआई सेटेलाइट सेंटर का श्रेय किसे दें। वैसे हम श्रेय लूट कर ही कंगाल हो रहे हैं। घाटे के बस डिपो खोलने का श्रेय, छात्रों के बिना स्कूल-कालेज खोलने का श्रेय और अस्पताल खोलकर डाक्टर की तलाश करने का श्रेय लूटना कोई हिमाचल से सीखे। हमारे चुनाव की सुर्खियां इस काबिल भी नहीं कि पिछले साल के उठाए गए 8300 करोड़ के कर्ज पर अफसोस कर सकें। हमें कौन सी आफत है कि राज्य के मुकद्दर पर बैठे करीब सत्तर हजार करोड़ के ऋण का दुख मनाएं। दुखी तो हम तब होते हैं जब विपक्ष में पहुंचा दिए जाते हैं, वरना सत्ता में रहते हुए तो अदना सा विधायक भी कह उठता है कि प्रदेश में धन की कमी आने नहीं देंगे। वाकई धन है सरकारी नौकरी में और ओल्ड पेंशन स्कीम में।

भारत में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है

भारत 2047 तक ऐसे बनेगा विकसित देश

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को साकार कर सकेगा। गौरतलब है कि इस समय दुनिया में कोई 40 ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत इस समय विकासशील देश है। अब भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 अप्रैल को प्रकाशित वैश्विक परामर्श एजेंसी डेलॉयट इंडिया की नई रिपोर्ट के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है।

इन दिनों पूरे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में अर्थ विशेषज्ञ एकमत से टिप्पणी कर रहे हैं कि यदि भारत अपने विकास मॉडल में तेज विकास के साथ समावेशी विकास तथा रोजगार एवं साझी समृद्धि की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ेगा, तो भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश बनने के सपने को साकार कर सकेगा। गौरतलब है कि इस समय दुनिया में कोई 40 ही देश विकसित हैं, जिनमें प्रमुख रूप से विकसित यूरोपीय देश हैं। भारत इस समय विकासशील देश है। अब भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल होने की संभावनाओं के कई आधार हैं। भारत दुनिया में वैश्विक सुस्ती की चुनौतियों के बीच आर्थिक विकास की डगर पर लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में 26 अप्रैल को प्रकाशित वैश्विक परामर्श एजेंसी डेलॉयट इंडिया की नई रिपोर्ट के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.6 से 7.8 प्रतिशत कर दिया है। कहा गया है कि भारत में मध्यम आय वर्ग के लोगों की संख्या में तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 2 साल से वृद्धि के मजबूत आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था को कोविड के पहले के स्तर में आने में मदद की है। बुनियादी ढांचे पर सरकार के व्यय में तेजी से निवेश को समर्थन मिला है। इससे भारत को वृद्धि की रफ्तार तेज रखने में मदद मिली है। निस्संदेह यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मजबूत घरेलू मांग और कामकाज करने वाली आबादी को देखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही विश्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। निश्चित रूप से विकसित भारत बनने के लिए भारत की मुठ्ठियों में कई महत्त्वपूर्ण संभावनाएं हैं। भारत में पिछले वर्ष 2023 में आयोजित जी-20 के शानदार सफल आयोजन से भारत के पास विकास के नए सूत्र आए हैं। भारत के पास पिछले 10 वर्षों की शानदार विरासत है। यह भारत का ऐसा समय है जब हमारी आर्थिक वृद्धि लगातार बढ़ रही है। भारत में स्थिति मैन्युफेक्चरिंग, निवेश और निर्यात के मद्देनजर उपयुक्त है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान से देश तेजी से आगे बढ़ा है। वैश्विक

स्तर पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के रुझान के बीच भारत दुनिया के सर्वाधिक एफडीआई प्राप्त करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से बढ़ा है। वैश्विक सुस्ती के बीच भारत का शेयर बाजार नई ऊंचाइयों पर है। पिछले एक दशक में हुए रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफार्म देश के विकास के लिए गेमचेंजर रहे हैं। भारत में अहम आर्थिक सुधार हुए और इन सुधारों में जन धन, आधार और मोबाइल आधारित सब्सिडी सुधार (जेएएम) वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता (आईबीसी) प्रमुख हैं। निस्संदेह इस समय भारत के पास टिकाऊ विकास के अभूतपूर्व अवसर हैं। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत दी जा रही है। भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थाई सदस्य देश बनाने के लिए अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का समर्थन रेखांकित हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका के लिए तैयार है। भारत के तेजी से बढ़े कृषि क्षेत्र से दुनिया की उम्मीदें बढ़ गई हैं। तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के कारण भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बढ़ रहे हैं। प्रवासी भारतीयों के द्वारा लगातार भारत की ओर अधिक रेमिटेंस भेजा जा रहा है। इस समय देश के वैज्ञानिकों के द्वारा अंतरिक्ष आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा तथा नए तकनीकी विकास के कारण आर्थिक विकास को गति मिल रही है चीन के प्रति बढ़ती नकारात्मकता के मद्देनजर भारत नए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में उभरकर सामने आया है। अब भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी आने लगी है। इतना ही नहीं भारत दुनिया के 85 देशों को हथियार व सैन्य सामग्रियों का निर्यात भी कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा विगत 10 वर्षों में किए गए आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ कठोर प्रशासनिक निर्णयों से देश में आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ी है। इसके साथ-साथ दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान, स्टार्टअप का दुनिया में सबसे तेजी से बढना, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी के लिए बढ़ते हुए नए दौर के कौशल निर्माण कार्यक्रम, बड़े पैमाने पर पूंजीगत खर्च, गैर जरूरी आयात में कटौती, खेलों के क्षेत्र में भारत की लंबी छलांगों से लाभान्वित होती भारतीय अर्थव्यवस्था और बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन गई है। निश्चित रूप से भारत को विकसित देश बनाने के लिए वर्तमान विकास मॉडल में सुधार करना होगा। विकास मॉडल में समृद्ध भारत के साथ समावेशी भारत की तस्वीर को हरदम सामने रखना होगा। जहां देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ाते रहना होगा, वहीं रोजगार वृद्धि व आम आदमी के सशक्तिकरण के अधिक प्रयास करने होंगे। यद्यपि पिछले 10 वर्षों में बहुआयामी गरीबों में बड़ी कमी आई है। लेकिन अब बकाया 15 करोड़ से अधिक गरीबों को नई मुस्कराहट देने का जोरदार अभियान आगे बढ़ाना होगा। इस बात को भी ध्यान में रखना होगा कि देश के आम आदमी के कमजोर जीवन स्तर को अच्छे जीवन स्तर में बदला जाए। देश में 19 करोड़ से अधिक महिलाओं को पेड वर्कफोर्स में शामिल करने की रणनीति को अमलीजामा पहनाना होगा। हमें विकास के लिए चीन की कम कौशल वाले विनिर्माण की नीति को अपनाने की बजाय हमारे शक्तिशाली सर्विस सेक्टर के जरिए विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढना होगा। कई अहम सुधारों को वैधानिक बनाते हुए उनका तेजी से क्रियान्वयन करना होगा। कृषि, श्रमिक, भूमि भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अन्य सुधारों की डगर पर तेजी से बढना होगा। यद्यपि केंद्र सरकार 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में तबदील करने की महत्त्वाकांक्षी योजना को आकार देने में सफल रही है, लेकिन ये अब तक लागू नहीं हुई है। अब एक ऐसे समय में जब कई देशों की कंपनियां चीन से बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार स्थानांतरित करते हुए दिखाई दे रही हैं तब हम अच्छे श्रम कानूनों से इसका लाभ उठा सकते हैं। देश के तेज विकास के लिए उभरते क्षेत्रों में शोध एवं विकास क्षेत्र में जरूरी निवेश पर्याप्त नहीं है।

दृष्टि कोण

हिंदू राष्ट्रनीति व हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज

शिवाजी के भीतर भारतीय संस्कृति के महान संस्कार कूट-कूट कर भरे थे। वह सदैव अपने माता – पिता और गुरु के प्रति श्रद्धालु और सेवाभावी बने रहे। उन्होंने कभी भी अपनी माता की किसी आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया और पिता के विरुद्ध पर्याप्त विपरीत परिस्थितियों के होने के उपरांत भी कभी विद्रोही स्वभाव का परिचय नहीं दिया। वह उनके प्रति सदैव एक कृतज्ञ पुत्र की भांति ही उपस्थित हुए। शिवाजी महाराज को अपने पिता से स्वराज की शिक्षा मिली। जब बीजापुर के सुल्तान ने शाहजी राजे को बन्दी बना लिया तो एक आदर्श पुत्र की भांति उन्होंने बीजापुर के शाह से सन्धि कर शाहजी राजे को मुक्त करा लिया। इससे उनके चरित्र की उदारता का बोध हमें होता है और हमें पता चलता है कि वह हृदय से कृतज्ञ रहने वाले महान शासक थे। उस समय की राजनीति में पिता की हत्या कराकर स्वयं को शासक घोषित करना एक साधारण सी बात थी। यदि शिवाजी चारित्रिक रूप से महान नहीं होते तो वह अपने पिता की हत्या तक भी करा सकते थे, परंतु उन्होंने ऐसा कोई विकल्प नहीं चुना। शाहजी राजे के निधन के उपरांत ही उन्होंने अपना राज्याभिषेक करवाया। यद्यपि वह उस समय तक अपने पिता से स्वतंत्र होकर एक बड़े साम्राज्य के अधिपति हो गये थे। कहने का अभिप्राय है कि उनकी अधिपति होने की यह स्थिति उनके भीतर अहंकार का भाव उत्पन्न कर सकती थी, परंतु शिवाजी सत्ता को पाकर भी मद में चूर नहीं हुए। उनके नेतृत्व को उस समय सब लोग स्वीकार करते थे। यही कारण है कि उनके शासनकाल में कोई आन्तरिक विद्रोह जैसी प्रमुख घटना नहीं हुई थी। यह भी एक विचारणीय तथ्य है कि जिस समय शिवाजी शासन कर रहे थे, उस समय इस प्रकार की स्वाभाविक स्वामीभक्ति सचमुच हर किसी शासक को उपलब्ध नहीं थी। शिवाजी शत्रु के प्रति दुष्ट के साथ दुष्टता का व्यवहार करने की नीति में विश्वास रखते थे, अर्थात जैसे के साथ तैसा करना

वह उचित समझते थे। यही उस समय की राजनीति का तकाजा भी था। तुर्की ब तुर्की प्रत्युत्तर देना राजनीति का धर्म होता है। हमने 'सद्गुण विकृति' के कारण कई बार अपनी उदारता का परिचय देते हुए शत्रु पर अधिक विश्वास किया और अंत में उससे हानि ही उठाई। परंतु शिवाजी ऐसा करने को कभी भी तत्पर नहीं होते थे। शिवाजी शत्रु को परास्त करने की नीति में विश्वास रखते थे। शिवाजी महाराज ने अपने राज्याभिषेक (6 जून 1674) के अवसर पर हिंदू पद पातशाही की घोषणा की थी। वह देश में हिंदू राजनीति को स्थापित कर देश से विदेशियों को खदेड़ देना चाहते थे। उनकी राजनीति का मूल आधार नीति, बुद्धि तथा मर्यादा-ये तीन बिंदु थे। रामायण, महाभारत, तथा शुक्रनीतिसार का उन्होंने अच्छा अध्ययन किया था। इसलिए अपने राज्य को उन्होंने इन्हीं तीनों महान ग्रंथों में उल्लेखित राजधर्म के आधार पर स्थापित करने का पुरूषार्थ किया। वह राष्ट्रनीति में मानवतावाद को ही राष्ट्रधर्म स्वीकार करते थे। शुक्र नीति में तथा रामायण व महाभारत में राजा के लिए 8 मंत्रियों की मंत्रिपरिषद का उल्लेख आता है। इसलिए शिवाजी महाराज ने भी अपने राज्य में 8 मंत्रियों का मंत्रिमंडल गठित किया था। शेजवलकर का मानना है कि ये अष्टप्रधान की कल्पना शिवाजी ने 'शुक्रनीतिसार' से ही ली थी। अंग्रेज व मुस्लिम इतिहासकारों ने शिवाजी को औरंगजेब की नजरों से देखते हुए 'पहाड़ी चूहा' या एक लुटेरा सिद्ध करने का प्रयास किया है। अत्यंत दुःख की बात ये रही है कि इन्हीं इतिहासकारों की नकल करते हुए कम्युनिस्ट और कांग्रेसी इतिहासकारों ने भी शिवाजी के साथ न्याय नही किया। छल, छदम के द्वारा कलम व ईमान बेच देने वाले इतिहासकारों ने शिवाजी के द्वारा हिंदू राष्ट्रनीति के पुनरूत्थान के लिए जो कुछ महान कार्य किया गया उसे मराठा शक्ति का पुनरूत्थान कहा ना कि हिंदू शक्ति का पुनरूत्थान। शिवाजी की नीति धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करने की थी। खानखां जैसे इतिहास कार ने भी उनके लिए ये कहा है कि शिवाजी के राज्य में किसी अहिंदू महिला के साथ कभी कोई अभद्रता नही की गयी। उन्होंने एक बार कुरान की एक प्रति कहीं गिरी देखी तो अपने एक मुस्लिम सिपाही को बड़े प्यार से दे दी। याकूत नाम के एक पीर ने उन्हें अपनी दाढ़ी का बाल प्रेमवश दे दिया तो उसे उन्होंने ताबीज के रूप में बांह पर बांध लिया। साथ ही बदले में उस मुस्लिम फकीर को एक जमीन का टुकड़ा दे दिया।

कुछ अलग

चुनावी रण में नेतृत्व की परीक्षा

हिमाचल में आजकल जम कर चुनाव प्रचार हो रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस अध्यक्षा प्रतिभा सिंह सरकार और संगठन में सब कुछ ठीक है, का आभास देते नजर आ रहे है। यह लेख लिखे जाने के वक्त कांगड़ा और हमीरपुर लोकसभा सीट पर काफी माथापच्ची के बाद क्रमशः आनंद शर्मा और सतपाल रायजादा को लोकसभा का प्रत्याशी घोषित कर ही दिया है। खैर, यह लेट लतीफी का कांग्रेसी कल्चर है जो खबरों में बना रहता है। सरकार को बने 15 महीने हो गए है। जमीनी हालात यह है कि जनता यह सब सोचने को मजबूर है कि विधान सभा के लिए क्या उपचुनाव राजनीतिक सूझबूझ से टाले नहीं जा सकते थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को उपचुनाव के मुद्दे पर जनता को उत्तर देना होगा। सरकार का मुखिया होने के नाते सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनकी टीम को अपने 15 महीने के शासन के रिकॉर्ड पर जनता के बीच उतरना होगा अपनी सरकार को बचाने व संभाले रखने के लिए यह उपचुनाव जीतना अत्यंत आवश्यक है। भाजपा के विषय में तो यह प्रसिद्ध है कि वह चुनावी मूड में रहने वाली पार्टी है और प्रधानमंत्री मोदी को हर समय चुनावों में सबसे ज्यादा व्यस्त रहने वाले प्रधानमंत्री का तमगा प्राप्त है। प्रधानमंत्री के तौर पर वह कैसे हैं यह लेख का मंतव्य नहीं। उस पर फिर कभी। मुख्यमंत्री सुक्खू के सामने सबसे बड़ी चुनौती और प्राथमिकता विधान सभा उपचुनावों की छहों सीटों पर विजयी हासिल करना होगा। लोकसभा के चुनावों में चारों सीटें जीता कर हाई कमान की झोली में डाल कर वह उनके विश्वास को पुख्ता कर सकेंगे। उन के लिए यह एक अवसर आया है। इस जीत से वह हाई कमान के सामने और प्रदेश कांग्रेस संगठन में विरोधी होली लॉज कैंप के समक्ष नेतृत्व क्षमता साबित करेंगे। जनता का विश्वास और दिल जीतने में सफल हो सकते है। दूसरे, यह जीत इस बात की भी द्योतक होगी कि हाई कमान का सुक्खु को मुख्यमंत्री बनाना और प्रतिभा सिंह की सीएम पद की दावेदारी को नजर अंदाज करने का उनका निर्णय सही था। ऐसे वो कौन से कारण रहे जिनके चलते भली चंगी सरकार पर संकट के बादल मंडराए और उपचुनावों की नौबत झेलनी पड़ गई? याद करें तो एक राजनीतिक घटनाक्रम के चलते प्रदेश की एक मात्र राज्य सभा सीट के लिए चुनाव में भजपा के हाथों मानों छींका ही फूट पड़ा। अल्पमत की भाजपा बहुमत की कांग्रेस की जमीन तले कालीन खिसका कर राज्य सभा सीट का निवाला छीन ले गई। परिणाम यह रहा कि प्रख्यात वकील और कांग्रेस के प्रत्याशी मनु सिंघवी हार गए और कांग्रेस के पूर्व मंत्री रहे और भाजपा के प्रत्याशी हर्ष महाजन जीत गए। इस प्रकरण से सरकार विशेष कर मुख्यमंत्री के विरुद्ध सुलगते विरोध और आक्रोश से न केवल जनता अवाक रह गई, बल्कि सरकार सुक्खू और उनके चुनावी व संसदीय प्रबंधन को भी इस बात की भनक तक न लगी कि उनके छह विधायक और तीन निर्दलीय वोटिंग के अवसर पर अपनी ही पार्टी के विरुद्ध जाएंगे। इस प्रकरण ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्य शैली और सरकार चलाने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए। प्रदेश की जनता यह भलीभांति जानती है कि सुक्खू को संगठन का आदमी कहा जाता है और संगठन के वह अच्छे जानकार है। जब तक वीरभद्र मुख्यमंत्री रहे उन्होंने उन्हें दो बार विधायक होने के बावजूद मंत्री या संसदीय सचिव या सरकार में किसी पद से नहीं नवाजा। 1983 में जब वीरभद्र मुख्यमंत्री बने, तब सुक्खू कालेज सी आर के चुनाव लड़ रहे थे। कालेज विश्वविद्यालय की राजनीति करते-करते विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस के अध्यक्ष पद तक जा पहुंचे।

देश दुनीया से

रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न यायसंगत बनाना जरूरी

जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्परिणामों के मद्देनजर भारत में रिन्यूबल एनेर्जी से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किये गये हैं। इसके तहत कार्बन एमिशन को खत्म करने के लिये कोयला खदानों को दीर्घकाल में बंद करना होगा। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि इन खदानों में काम करने वाली बड़ी श्रम शक्ति के हितों के लिहाज से न यायसंगत ट्रांज़िशन का स वरूप कैसा होगा और बंद होने वाली खदानों को रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन के लिये किस तरह बेहतर तरीके से इस तेमाल किया जा सकता है। इस महत वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन न चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा के लिये जलवायु थिंक टैंक 'क लाइमेट ट्रेंड्स' और 'स वनीति' ने एक वेबिनार आयोजित किया।

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्परिणामों के मद्देनजर भारत में रिन्यूबल एनेर्जी से जुड़े महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किये गये हैं। इसके तहत कार्बन एमिशन को खत्म करने के लिये कोयला खदानों को दीर्घकाल में बंद करना होगा। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि इन खदानों में काम करने वाली बड़ी श्रम शक्ति के हितों के लिहाज से न्यायसंगत ट्रांज़िशन का स्वरूप कैसा होगा और बंद होने वाली खदानों को रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन के लिये किस तरह बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण विषय से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा के लिये जलवायु थिंक टैंक 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' और 'स्वनीति' ने एक वेबिनार आयोजित किया। इसमें 'कोल इंडिया' की सौर शाखा के अधिशासी निदेशक श्री सौमित्र सिंह और अमेरिकी प्रान्त वेस्ट वर्जीनिया में कोलफील्ड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में सीनियर डायरेक्टर (कंजर्वेशन) कैसिडी रिले ने इस पूरे मामले के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। विशेषज्ञों का मानना है कि रिन्यूबल एनेर्जी में ट्रांज़िशन को न्यायसंगत बनाना जरूरी है और भविष्य में खदानों के बंद होने से प्रभावित होने वाले समुदायों को रोजगार के वैकल्पिक

स्रोत उपलब्ध कराने के लिये उन्हें प्रशिक्षित किया जाना चाहिये। सौमित्र सिंह ने न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी के समेकित परिप्रेक्ष्य को समझने के लिये कोल इंडिया की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव की वकालत करते हुए कहा कि कोल इंडिया द्वारा की गई पहल और भविष्य में कोयला खदानों को न्यायसंगत ट्रांज़िशन के मकसद से इस्तेमाल करने के लिए सोच में आमूल-चूल बदलाव करने की जरूरत है। कोल इंडिया स्तर पर पॉलिसी लेवल इंटरवेंशन सबसे ज्यादा जरूरी है ताकि न्यायसंगत ट्रांज़िशन और रिन्यूबल एनेर्जी को समझा जा सके। दूसरा, सरकार की तरफ से नीतिगत स्तर पर बदलाव करने होंगे। इसके लिए हमें बहुपक्षीय एजेंसियों की मदद लेनी होगी। साथ ही साथ केंद्र सरकार की भी सहायता जरूरी होगी। यह नीति से जुड़े मूलभूत मसले हैं जिन्हें बदलने की जरूरत है। उन्होंने ऊर्जा संयंत्रों के लिये पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में जन भागीदारी पर जोर देते हुए कहा, ''वर्ष 1997 में विश्व बैंक के हस्तक्षेप से पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया में पब्लिक शेयरिंग प्रक्रिया शुरू की गई थी। अगर यह वर्ष 1997 में किया जा सकता था तो भारत सरकार जस्ट ट्रांजीशन को भी अपने पॉलिसी प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर लागू कर सकती है। जहां तक कोल इंडिया का सवाल है तो और भी ज्यादा बड़ी नीतिगत पहल की जरूरत है।'' सिंह ने कोयला खदानों की रिन्यूबल एनेर्जी और अन्य क्षेत्रों में इस्तेमाल की परिकल्पना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2009 में पहली बार ऐसा सोचा गया था। वर्ष 2009 में जब केंद्र सरकार इस परिकल्पना को लेकर आई थी तो उस वक्त यही सोचा गया था कि कोयला खदानों को बंद किए जाने के बाद उनका इस्तेमाल सिर्फ वनीकरण करने और कुछ हद तक उन्हें जल स्रोतों के रूप में किया जाएगा। साथ ही अचल संपत्ति के रूप में बनाई गई जायदाद जैसे कि इमारतें इत्यादि संबंधित समिति या स्थानीय शासन निकाय को कंपनी द्वारा वापस किया जाएगा। यह सिलसिला कमोबेश आज भी जारी है। हालांकि बाद में मौजूदा केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल में खदान बंद करने की गतिविधि को रिन्यूबल एनेर्जी के लिये इस्तेमाल करने की सोच स्थापित हुई है।'' सिंह ने भारत के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के मद्देनजर सामने खड़ी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा, ''हम सभी जानते हैं कि भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित देश के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसका मतलब यह है कि प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.50 प्रतिशत की दर से बढ़नी चाहिए। वर्तमान में हमारी कुल ऊर्जा आवश्यकता की पूर्ति में कोयले का योगदान 48% है। अंदाजा लगाइए कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए क्या करना होगा।'' हम न सिर्फ अपनी खदानों को कोयला उत्पादन के परिप्रेक्ष्य में देख रहे हैं बल्कि अब हम यह भी देख रहे हैं कि कैसे अपने सतत विकास लक्ष्यों और रिन्यूबल एनेर्जी कार्यक्रमों में खदानों का इस्तेमाल किया जाए ताकि सतत विकास लक्ष्यों को भी हासिल किया जा सके। सिंह ने खदानें बंद होने की स्थिति में उससे प्रभावित होने वाली आबादी को रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरतों पर कहा, ''एक यह भी सोच है कि स्थानीय समुदायों का समावेशी विकास किया जाए। भारत यह भी सोच रहा है बंद की गई खदानों की जमीन पर स्थानीय समुदायों को कार्यकुशल बनाने के लिये कार्यक्रम चलाये जाएं।

आप का नजरीया

शहजादे बनाम शहंशाह

प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए 'शहजादे' सांकेतिक शब्द का इस्तेमाल करते रहे हैं। इस श्रेणी में अब उन्होंने तेजस्वी यादव को भी 'बिहार का शहजादा' करार दिया है। चुनाव आयोग को इन सांकेतिक शब्दों पर आपत्ति क्यों नहीं है अथवा ये शब्द आचार संहिता का उल्लंघन किस तरह नहीं करते हैं, इसका स्पष्टीकरण तो चुनाव आयोग ही देगा। अलबत्ता देश हैरान हो सकता है कि क्या इन शब्दों पर भी जनादेश मांगा या दिया जा सकता है? 'शहजादे' की प्रतिक्रिया में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को 'शहंशाह' करार दिया है। उन्होंने पलटवार की भाषा में कहा है कि वे उनके भाई को 'शहजादा' बुलाते हैं। उस 'शहजादे' ने ही कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4000 किलोमीटर की यात्रा की है। 'शहजादे' ने भाइयों, बहनों, किसानों और मजदूरों से उनकी तकलीफें, समस्याएं पूछी हैं तथा यह भी जानने की कोशिश की है कि उन्हें कैसे हल किया जा सकता है? प्रियंका ने प्रधानमंत्री पर हमला भी किया है कि वह तो महलों में रहते हैं। उन्हें देश के आम आदमी की मुश्किलों का एहसास कैसे होगा? लोकतंत्र में 'शहजादे' और 'शहंशाह' की कोई गुंजाइश नहीं है। दरअसल सवाल है कि आम चुनाव की सियासत इन सांकेतिक शब्दों पर क्यों आ गई? शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने ही की और फिर भाजपा के अन्य प्रचारक नेता भी व्यंग्य कसने लगे। मोदी को इसकी जरूरत क्यों आन पड़ी? उनके पक्ष में ऐसा 10-साला जनादेश रहा है, उसकी स्थिरता और विकास के मुद्दे आज कहां हैं? क्या प्रधानमंत्री चुनाव को अब 'मोदी बनाम राहुल गांधी' बना रहे हैं? क्या सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बजाय प्रधानमंत्री मोदी चुनाव को अपने ही इर्द-गिर्द केंद्रित कर देना चाहते हैं? क्या वह कांग्रेस की जातीय जनगणना और मुस्लिम आरक्षण का मुकाबला हिंदू धर्म की राजनीति से करना चाहते हैं? क्या चुनावी एजेंडा कांग्रेस तय करेगी और भाजपा उसकी प्रतिक्रिया में अपना चुनाव प्रचार जारी रखेगी? प्रधानमंत्री 2002 के गोधरा कांड सरीखे पुराने मुद्दों को सतह पर लाकर अतीत के आधार पर नया जनादेश मांगना चाहते हैं? 2014 और 2019 के आम चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही भाजपा-एनडीए ने तत्कालीन और प्रासंगिक मुद्दों पर ही लड़े थे और शानदार जनादेश हासिल किए थे। इस बार भी जनादेश को लेकर कोई संशय नहीं है। आंकड़े कम हो सकते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी से जिन मुद्दों पर चुनाव लडने की अपेक्षाएं थीं, वे गौण हैं या हाशिए पर सरका दिए गए हैं। फोकस 'शहजादे' और उनकी सियासत पर है। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी भाजपा-एनडीए के लिए आज भी 'तुरुप का पत्ता' हैं, लेकिन ऐसे आकलन सामने आए हैं कि जब भी वह 'शहजादे' शब्द बोलते हैं, तो वोट बढ़ जाते है। 'शहजादा' कहने से बात मुस्लिम बादशाहत से जुड़ती है और हिंदू-मुस्लिम मुद्दा भाजपा को ताकत और धुरवीकरण देता है। बेशक प्रधानमंत्री की निजी, पारिवारिक पृष्ठभूमि 'गरीबी' की रही है, लेकिन बार-बार उसका राग अलापने से सहानुभूति मिलेगी, हमें तो ऐसा नहीं लगता।

आतंकवाद के समर्थक और राम विरोधियों को जनता नहीं करेगी वोट : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने साक्षी महाराज के पक्ष में की चुनावी सभा

उन्नाव (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी ने आदित्यनाथ ने सोमवार को एक चुनावी जनसभा में कांग्रेस-सपा के विरोध में और भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो आतंकवादियों पर से मुकदमें हटाते हैं, राम का विरोध करते हैं, रामभक्तों पर गोली चलवाते हैं उन्हें वोट देकर पाप का भागी कोई नहीं बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब तो दो चरणों में 191 सीटों पर चुनाव हुए हैं। देश के अंदर जो रुझान है उससे स्पष्ट है कि फिर एक बार मोदी सरकार। लोगों के मन में मोदी सरकार को फिर लाने की उत्सुकता है। यह यूं ही नहीं है। पिछले दस सालों में मोदी ने जो देश के लिए कार्य किया, उससे देश का हर नागरिक चाहता है कि मोदी एक बार फिर पीएम बनें। वैश्विक स्तर पर भारत को सम्मान दिलाने का हो या देश के अंदर नक्सलवाद को समाप्त करने का, हर क्षेत्र में अदभुत कार्य हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले और अब की तुलना करें तो सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। पहले गरीब को सर ढकने के लिए छत नहीं होती थी। आज पीएम मोदी ने सबको घर दिया है। पहले पानी तक नहीं मिल पाता था। आज 80 करोड़ लोगों को राशन, 60 करोड़ को आयुष्मान भारत की सुविधा मिल रही है। इनके अलावा यदि किसी को इलाज कराने की जरूरत होती है तो कोई विधायक सांसद हमें पत्र भेजते हैं तो हम तुरंत जरूरतमंदों के खाते में पैसे भेज देते हैं। उन्होंने कहा कि पहले किसान आत्महत्या करता था। आज उन्हें सुविधाएं मिल रही हैं। किसान सम्मान निधि मिल रही है। यूपी में भाजपा सरकार ने साढ़े छह लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी। पीएम मोदी के नेतृत्व में 10 लाख युवाओं को नौकरी दी गई। यही अंतर है हमारी और उनकी सरकारों में। सपा की सरकार में युवाओं के हाथों में तमंचे पकड़ाए जाते थे, आज टैबलेट दिए जा रहे हैं। चार करोड़ मकान बने हैं। अगर किसी गरीब का मकान नहीं बन पाया, उसका अगले पांच साल में पीएम मोदी घर बनवाएंगे। योगी ने कहा कि आज सुरक्षा, सम्मान, विकास और गरीब कल्याण भी है। आतंकवाद का सामना कैसे होता है और उसका खात्मा कैसे होता है, जम्मू कश्मीर में मोदी सरकार ने दिखा दिया है। कश्मीर में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान हुए थे। आज वह कश्मीर पूरी तरह से हमारा हो गया है। पाकिस्तान पटाखा फूटने पर सफाई देता है। पाक कहता है कि साहब मेरा हाथ नहीं है। उसे मालूम है कि यह नया भारत है। यह छेड़ता नहीं है। अगर कोई छेड़ता है तो छोड़ता नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा का आतंकियों के साथ रिस्ते हैं। हमारे यहां बम विस्फोट करने वाले आतंकियों पर से सपाई मुकदमें हटाने का काम कर रहे थे। कांग्रेस और सपा का राम का विरोध करने का भी इतिहास है। कोई कहता था कि राम हैं ही नहीं तो कोई कहता था कि अयोध्या में परिंदा पर भी नहीं मार सकता है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में कहा गया है कि उनकी सरकार बनीं तो अल्पसंख्यकों को उनके हिसाब से खाने की छूट दी जाएगा। योगी ने कहा कि पूछना चाहता हूं कि उन्हें क्या छूट देने वाले हैं। ज्यादातर अल्पसंख्यक भी वही थाल खाते हैं जो देश का बहुसंख्यक खाता है। क्या कांग्रेस गोमांस भक्षण की छूट देने वाली है। भाईयों हमारी आस्था को चोट पहुंचाने का कांग्रेस कोई अवसर नहीं छोड़ना चाहती। लेकिन क्या ऐसे लोगों को हम वोट देंगे जो हमारी आस्था को चोट पहुंचा रहे हैं। सीएम योगी ने भाजपा के पक्ष में बढ़-चढ़ कर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 13 मई को मतदान होगा। भीषण गर्मी होगी। सुबह ही मतदान कीजिए। अपने साथ दो परिवारों को ले जाईए। हमारे सांसद और विधायक गण हो सकता है कि घर-घर न जा पाएं। इसलिए आप मोदी, योगी, साक्षी महाराज और विधायक बन जाएं। आत्मनिर्भर भारत के लिए, भारत के विकास के लिए मतदान कीजिए। तभी विकसित भारत बनेगा। इस मौके पर चुनावी सभा को उप्र विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, प्रत्याशी साक्षी महाराज, विधायक आशुतोष शुक्ल समेत अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

बिहार में सात मई को तीसरे चरण में पांच लोकसभा सीटों पर 54 उम्मीदवारों के भाग्य का होगा फैसला

पटना (हिंस)। बिहार में तीसरे चरण का मतदान सात मई को होगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य के झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा और खगड़िया में मतदान होना है। इसके 48 घंटे पूर्व यानी रविवार की शाम चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इस चरण में कुल 54 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है। इनमें 51 पुरुष और तीन महिला उम्मीदवार हैं। झंझारपुर में 10, सुपौल में 15, अररिया में 9, मधेपुरा में 8 और खगड़िया में 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। तीसरे चरण में पांच सीटों पर प्रदेश के 98 लाख 60 हजार 397 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 51 लाख 29 हजार 473 पुरुष तो 47 लाख 30 हजार 602 महिला मतदाता और 322 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 100 वर्ष से अधिक आयु के 2, 716 मतदाता भी हैं। पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं की संख्या 01 लाख 45 हजार 482 है। तीसरे चरण के मतदान में 11, 818 बैलेट यूनिट, 11, 818 कंट्रोल यूनिट और 12, 861 वीवीपैट इस्तेमाल होंगे। प्रति बूथ 1001 मतदाताओं के मतदान की व्यवस्था है। 32 बूथों का प्रबंधन महिलाएं संभालेंगी। इस चरण में कुल 45 मॉडल बूथ भी बनाए गए हैं। कुल 5, 039 बूथों से लाइव बेवकास्टिंग होगी। झंझारपुर सीट पर मुकेश सहनी की वीआईपी के सुमन कुमार महासेठ मैदान में हैं। महागठबंधन में शामिल होने के बाद राजद ने ये सीट वीआईपी को दी है। दूसरी ओर जदयू से इस सीट पर रामप्रीत मंडल हैं। इस सीट पर महागठबंधन का खेल बिगाड़ने के लिए गुलाब यादव मैदान में आ गए हैं। वे कुछ दिनों से बागी हो गए हैं। इस चुनाव में वह वीआईपी से टिकट के दावेदार थे। टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। गुलाब यादव पहले विधायक रह चुके हैं। पिछले साल उनकी पत्नी ने राजद से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय एमएलसी चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की थी। गुलाब यादव की बेटी जिला परिषद की अध्यक्ष हैं। खगड़िया सीट महागठबंधन में सीपीएम के खाते में है। सीपीएम ने संजय कुमार कुशवाहा को मैदान में उतारा है जबकि राजग की तरफ से ये सीट एलजेपी (रामविलास) के हिस्से में है। चिराग पासवान ने यहां महबूब अली कैसर को चलता कर राजेश वर्मा को मैदान में उतारा है। महागठबंधन और राजग दोनों के उम्मीदवार नए हैं। राजेश वर्मा पर एनडीए की सीट बचाए रखने की चुनौती है तो संजय कुमार कुशवाहा पर महागठबंधन को जीत दिलाने की। नेपाल से सटे सीमांचल के अररिया लोकसभा सीट में 40 प्रतिशत से ज्यादा यादव और 32 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। इसके बाद भी 2019 में महागठबंधन यहां चुनाव हार गई थी। भाजपा के प्रदीप सिंह यहां से 1.37 लाख मतों से विजयी हुए थे। इस बार प्रदीप का राजद के शाहनवाज आलम से मुकाबला है। कोसी के आंचल में बसे सुपौल में इस बार 15 उम्मीदवार मैदान में हैं। कोसी क्षेत्र की सुपौल लोकसभा सीट पर जदयू के लिए सीट बचाने की चुनौती है। क्योंकि, सामान्य सीट से राजद ने दलित समाज से आने वाले चंद्र हास को टिकट देकर मुकाबले को दलित बनाम अगड़ा करने की कोशिश की है। लालू यादव को उम्मीद है कि एमवाई के साथ यदि दलित वोटर जुड़ जाते हैं तो उनकी जीत की राह आसान होगी।

सपा व कांग्रेस का चाल चरित्र और चेहरा एक जैसा : राजेंद्र सिंह पटेल

प्रयागराज (हिंस)। फूलपुर लोकसभा की पश्चिमी विधानसभा बूथ सम्मेलन का आयोजन मनोहर गार्डन झलवा में किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण में बाधा डालने वाली कांग्रेस और राम भक्तों पर गोली चलने वाली सपा का चाल चरित्र और चेहरा एक ही है। ऐसे चेहरे को जनता ने बेनकाब कर दिया है और राम विरोधियों का अस्तित्व ही समाप्त कर दिया है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके ही कंधों पर भारतीय जनता पार्टी की जीत का लक्ष्य है और आप ही जीत के नायक हैं। इसलिए आप सभी की जिम्मेदारी है अपने-अपने बूथ जिताना। उन्होंने कहा कि अब तक हुए यूपी लोकसभा के तीन चरणों के चुनाव में कांग्रेस और सपा का प्रदर्शन फ्लॉप शो रहा और भारतीय जनता पार्टी सभी सीटों पर जीत कर आ रही है। राजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी परिवारवाद और भ्रष्टाचार की पहचान बन चुकी है और कांग्रेस की यूपी में पूरी तरह से जमीन खिसक चुकी है। यही कारण है राहुल गांधी अमेठी छोड़कर रायबरेली में अपनी सम्भावना तलाश रहे हैं। लेकिन रायबरेली में भी जनता ने राहुल गांधी गो बैक का नारा लगा दिया है। मोदी और योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त हो गया है और इसका सबसे बड़ा गवाह प्रयागराज का पश्चिमी क्षेत्र है। जहां समाजवादी पार्टी का सबसे बड़ा गुंडा अतीक अहमद का आतंक रहा है। आज शहर पश्चिमी उस आतंक से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा आज उप्र उद्योग का केंद्र बन चुका है। सपा शासन में यूपी में कानून व्यवस्था का बुरा हाल था। इसीलिए पहले व्यापारी यहां उद्योग लगाने से कतराते थे।

हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। जिले के पीरपैंती थाना क्षेत्र के बाखरपुर गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शंकर मिश्रा के घर छापामारी कर हथियार बरामद किया है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि विजय शंकर मिश्र ने अपने घर पर भारी मात्रा में हथियार छुपा कर रखा है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विजय शंकर मिश्रा के घर से जब तलाशी लिया तो उसके घर से अवैध हथियार के साथ चाकू जब्त किया गया।

पुलिस पता लगा रही है कि यह हथियार कहां से आया है और किस मकसद से अपने घर में इन्होंने हथियार को छुपा कर रखा था। उक्त आशय की जानकारी सोमवार को कहलगांव अनुमंडल पुलिस उपाध्यक्ष 2 अर्जुन कुमार गुप्ता ने प्रेस वार्ता के दौरान दी।

लालू यादव घोटाले में जेल जा चुके और उनके साथी भ्रष्टाचार कर रहे : शाह

पटना (हिंस)। राज्य में समस्तीपुर जिले के उजियारपुर लोकसभा क्षेत्र के नरघोघी में नित्यानंद राय के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद यादव पर हमला करते हुए कहा कि सत्ता के स्वार्थ के कारण लालू यादव कांग्रेस की गोद में जाकर बैठ गए हैं। वो चारा घोटाले, अलकतरा घोटाले और जमीन के बदेल नौकरी देने के मामले में जेल जा चुके हैं जबकि उनके सभी साथी भी भ्रष्टाचार करने में लगे हुए हैं। अमित शाह ने कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन के मंत्री के सचिव के नौकर के पास से 30 करोड़ रुपए मिले। इससे दो महीने पहले कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए मिले थे। इससे कुछ देर पहले ही ममता बनर्जी के मंत्री के घर से 51 करोड़ रुपए मिले थे। मैं लालू यादव को कहना चाहता हूं कि इसी कांग्रेस ने पिछड़ों का विरोध किया। मंडल कमीशन का विरोध किया। पिछड़ा

समाज के विरोधी कांग्रेस की गोद में लालू व इनके बेटे बैठे हैं। भाजपा ने सबसे पहले पिछड़ा-अति पिछड़ा वर्ग का प्रधानमंत्री बनाया है। गरीब चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बनाया है। अमित शाह ने कहा कि लालू के लालटेन व पंजे के साथ अन्याय, भूखमरी, गरीबी तो एनडीए के साथ आने पर डबल इंजन सरकार मिलेगी जो बिहार को आगे बढ़ाएगी। आज केंद्र सरकार में 27 पिछड़े वर्ग के मंत्री हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ा समाज की सबसे विरोधी पार्टी कांग्रेस पार्टी है। बिहार के वंचितों, पिछड़ों और दलितों के नेता कर्पूरी ठाकुर को *भारत रत्न* देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जननायक भारत रत्न बनाने का काम किया। मोदी ने नीट, मेडिकल और एम्स दाखिले में पिछड़े और अति पिछड़े समाज को आरक्षण दिया। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पिछड़े समाज के आरक्षण पर डाका डालने का काम किया है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी और रातों-रात पूरे मुस्लिम समुदाय को बिना पिछड़ेपन का सर्वेक्षण कराए पिछड़ा घोषित कर दिया गया और पिछड़े समुदाय का पांच प्रतिशत आरक्षण काटकर मुसलमानों को दे दिया गया। हमारी सरकार कर्नाटक में बनी तो उसे समाप्त कर पिछड़ों को फिर से उसका लाभ दिया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने जीवन की अंतिम सांस तक गरीबों और पिछड़ों के लिए काम किया। कर्पूरी ठाकुर ने मैथिली भाषा को सम्मान देने की मांग की थी और अटल ने मैथिली भाषा को आठवीं अनुसूची में जगह दी थी।

राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन की बनेगी सरकार : पप्पू यादव

धनबाद (हिंस)। बिहार के पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे पूर्व सांसद पप्पू यादव ने सोमवार को भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा हमारी सीता को चुरा ले गई और गीता को भी ईडी के दबाव में अपने झांसे में ले लिया। उन्होंने कहा कि 400 पार का नारा देकर अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रही भाजपा चुनाव हारेगी और इंडि राहुल गांधी के नेतृत्व में चार जून के बाद सरकार बनाएगी। पप्पू यादव धनबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में चुनाव प्रचार करने धनबाद पहुंचे थें। सबसे पहले वह धनबाद के बारामुड़ी खटाल पहुंचकर अपने चिरपरिचित अंदाज में खाट पर बैठकर दाल-भात-चोखा खाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं, इसके साथ ही धनबाद से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह के पक्ष में वोट मांगा। उन्होंने कहा कि धनबाद के विकास के लिए स्वच्छ एवं अच्छे नेता का चुनाव करें, जो दागदार न हों। अनुपमा सिंह श्रेष्ठ प्रत्याशी हैं। उन्होंने कहा कि पूर्णिया सीट पर आज पूरे विश्व की निगाहें हैं। उनका किसी से कोई भेदभाव नहीं है। परिवार भी उनके साथ है। पूर्णिया में हिंदू न मुसलमान न जाति न धर्म और न ही बाहुबल, इस पर मतदान नहीं हुआ, बल्कि उनके कार्यों को देखते हुए पूर्णिया की जनता ने उनके पक्ष में वोटिंग की। उन्होंने कहा कि सभी लोगों का साथ और प्यार मिला। चार जून के बाद पूर्णिया इतिहास लिखेगा, जिसे पूरा विश्व देखेगा पप्पू यादव ने कहा कि वो कम से कम तीन लाख वोट से जीतेंगे। इसके साथ ही धनबाद से कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह विजयी हो रही हैं। भाजपा की करारी हार होगी। इस दौरान पप्पू यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनाने में भी कांग्रेस का योगदान है। महिलाएं भाजपा से अलग हो रही हैं। युवाओं में भी आक्रोश है, इस सरकार में किसानों की आवाज दबाई जा रही है। छोटे व्यापारी की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि इस बार भाजपा के विरोध में लहर है और कांग्रेस ही इसका एकमात्र जवाब है।

बिहार में अगले पांच दिन तक अधिकतर इलाकों में तेज आंधी-बारिश के आसार

पटना (हिंस)। बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। सोमवार से अगले पांच दिनों तक बिहार के अधिकतर इलाकों में तेज आंधी और बारिश के आसार हैं। जिससे अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, सोमवार को उत्तर बिहार के कुछ जगहों पर मेघगर्जन और वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। मंगलवार को पटना समेत राज्य के ज्यादातर जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। इसको लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आंधी और बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही किसानों से अपील की है कि वे अपनी फसल को सुरक्षित कर लें।

शिक्षा मंत्री ने दिए संकेत : अब सरकारी स्कूलों में शिक्षक नहीं ला सकेंगे मोबाइल

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि अब सरकारी स्कूलों में मोबाइल पूरी तरह से बैन किया जाएगा। इसके पीछे उनका तर्क है कि स्कूलों में टीचर पूरे दिन मोबाइल पर शेयर मार्केट और न जाने क्या-क्या देखते रहते हैं। टीचर्स उसमें उलझे रहते हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल एक बीमारी जैसा हो गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जयपुर में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अब सरकारी शिक्षकों को स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई शिक्षक गलती से मोबाइल लेकर आ जाता है तो उसे अपना मोबाइल प्रिंसिपल के पास जमा कराना होगा। केवल प्रिंसिपल को ही स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति होगी। आपातकाल की स्थिति में प्रिंसिपल के पास फोन आएगा, वह शिक्षक को सूचना देगा। अगर किसी से बात करानी होगी तो कराएगा। शिक्षक को किसी भी हाल में स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी। इससे अभी तक स्टूडेंट की पढ़ाई का जो नुकसान हो रहा था, वो बचेगा। शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि हम कोई बड़ा फैसला नहीं ले रहे हैं। जो पहले से नियम बने हुए हैं, उनकी पालना करवाने की कोशिश कर रहे हैं। दिलावर ने कहा कि हम नियमों की पालना करवाकर स्कूलों में वातावरण सही करने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकतर स्कूलों के खेल के मैदान में अतिक्रमण है। उन सभी अतिक्रमण को हटाने का काम हमने अभियान के रूप में शुरू कर दिया है। इस तरह से जो छोटी-छोटी समस्याएं थीं। हम उनका निराकरण करने का काम कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब टीचर्स भैरूजी, बालाजी की पूजा और नमाज पढ़ने के नाम पर स्कूल नहीं छोड़ेंगे। यदि उनको जाना है तो छुट्टी लेकर जाएं। लिखित में रजिस्टर में एंट्री करके जाएं। उन्होंने कहा कि अभी तो हम मौखिक रूप से अथवा नोटिस देकर छोड़ रहे हैं। टीचर्स ने सुधार नहीं किया तो हम निलंबन से लेकर बर्खास्तगी तक की भी कार्रवाई उनके खिलाफ कर सकते हैं।

महिलाएं राष्ट्र और समाज की धुरी : सोनी

जोधपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद की महिला इकाई मातृशक्ति का तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग शिविर शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित अग्रसेन भवन में शुरू हुआ। मातृशक्ति की सह संयोजिका जसोदा ने बताया कि साध्वी प्रिया शरण के सानिध्य में राष्ट्रीय सह संयोजिका सरोज सोनी, राजस्थान क्षेत्रीय संयोजिका अभिलाषा सिंह, समाजसेविका डॉ चन्द्रकला गोस्वामी व प्रान्त अध्यक्ष डॉ. राम गोयल की उपस्थिति में यह अभ्यास वर्ग शुरू हुआ। प्रान्तभर की महिलाएं वर्ग में हिस्सा लेकर शारीरिक व मानसिक बौद्धिक दृष्टिकोण से संपन्न होगी। मुख्य वक्ता मातृशक्ति केंद्रीय सह संयोजिका सोनी ने सेवा, संस्कार और सत्संग के माध्यम से देव भक्ति के साथ देश भक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज की महिला किसी से भी कम नहीं हैं और मातृशक्ति पालन, पोषण और संस्कारवान परिवार के साथ राष्ट्र और समाज की धुरी हैं।

लोस चुनाव : तीसरे चरण में यूपी की 10 सीटों पर होगा मतदान

गर्मी से बचाव के लिए मतदेय स्थलों पर मतदाताओं की कतार तक की गई छाया की व्यवस्था

लखनऊ (हिंस)। लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण में उत्तर प्रदेश के 10 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों में मंगलवार को सुबह सात बजे से मतदान होगा। निर्वाचन आयोग ने पूरी तैयारी कर ली है। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सोमवार को लोक सभा के तीसरे चरण के मतदान की तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी दी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों सम्भल, हाथरस (सुरक्षित), आगरा (सुरक्षित), फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला तथा बरेली में 07 मई को मतदान होगा। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगा। जो भी मतदाता शाह छह बजे मतदेय स्थल पर पंक्ति में उपस्थित रहेंगे, उन सभी मतदाताओं के वोट डलवाए जाएंगे। तृतीय चरण के निर्वाचन क्षेत्र 12 जिलों मुरादाबाद, सम्भल, हाथरस, अलीगढ़, आगरा, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, कासगंज, बदायूं तथा बरेली में आते हैं। तीसरे चरण में कुल 1, 89, 14, 788 (01 करोड़ 89 लाख 14 हजार 788) मतदाता हैं। इसमें 1, 01, 44, 345 (01 करोड़ 01 लाख 44 हजार 345) पुरुष मतदाता तथा 87, 69, 696 (87 लाख 69 हजार 696) महिला मतदाता एवं 747 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक मतदाता आगरा में 20 लाख 72 हजार 685 तथा सबसे कम मतदाता एटा में 17 लाख 524 में हैं। 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 100 प्रत्याशी मैदान में हैं। उनमें से 8 महिला प्रत्याशी हैं। तृतीय चरण में सबसे अधिक 13 प्रत्याशी बरेली एवं सबसे कम 07 प्रत्याशी फिरोजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। कुल 20415 मतदेय स्थल (पोलिंग बूथ) तथा 12339 मतदान केंद्र हैं। उक्त मतदेय स्थलों में से 4390 क्रिटिकल हैं। मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए आयोग ने 03 विशेष प्रेक्षक, 10 सामान्य प्रेक्षक, 06 पुलिस प्रेक्षक तथा 14 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए हैं। उक्त के अतिरिक्त 1887 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 241 जोनल मजिस्ट्रेट, 668 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2859 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिए 4783 भारी वाहन, 5462 हल्के वाहन तथा 88420 मतदान कार्मिक लगाए गए हैं। चुनाव में मतदान के लिए 25819 ईवीएम की कन्ट्रोल यूनिट, 25819 बैलट यूनिट तथा 27597 वीवी पैट तैयार किए गए हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। तृतीय चरण के निर्वाचन के दौरान अर्द्ध सैनिक बलों/ पुलिस बलों के व्यवस्थापन के दृष्टिगत आकस्मिकता की स्थिति में मेडिकल सहायतार्थ एयर एंबुलेंस एवं हेलीकाप्टर की व्यवस्था भी की गई है। हेलीकाप्टर की लोकेशन 06 व 7 मई, 2024 को आगरा में तथा एयर एंबुलेंस की लोकेशन 07 मई, 2024 को बरेली में रहेगी। 50 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर (10208 मतदेय स्थल) लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है। इसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तरों पर किया जाएगा। उक्त के अतिरिक्त 3503 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की गई है। तृतीय चरण में कुल 370 आदर्श मतदेय स्थल, 79 समस्त महिला प्रबंधित मतदेय स्थल, 39 समस्त युवा कर्मी मतदेय स्थल तथा 47 समस्त दिव्यांग प्रबंधित मतदेय स्थल बनाये गए हैं। गर्मी व लू से बचाव के लिए मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर जहां तक मतदाताओं की कतार हो, वहां तक छाया, शीतल पेयजल, शौचालय, साइनेज की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही बुजुर्गों, महिलाओं व दिव्यांगजनों के बैठने हेतु कुर्सियां, स्कूल बेंच की भी व्यवस्था की गई हैं। पैरामेडिक्स व आशा कार्यकर्ताओं के साथ पर्याप्त ओआरएस एवं मेडिकल किट उपलब्ध कराई गई है। पुलिस और सुरक्षा कर्मियों को मतदाताओं के साथ विनम्र और सहयोगपूर्ण व्यवहार के लिए प्रशिक्षित किया गया है। मतदान प्रतिशत की जानकारी 2-2 घण्टे पर मीडिया को प्रेषित की जाएगी। उक्त के अतिरिक्त वोटर टर्नआउट एप एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के सोशल मीडिया हैंडलस् पर भी मतदान प्रतिशत की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी के बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता : प्रो. रामगोपाल

इटावा (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सोमवार को सैफई स्थित अपने आवास पर पत्रकार वार्ता की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 400 पार के नारे की बुरी तरह से हवा निकल गई है। भाजपा, इंडिया गठबंधन से डरी हुई है, इसलिए इस लोकसभा चुनाव में भाजपा चार सौ तो दूर दो सौ सीट भी हासिल नहीं करती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन की मजबूती के साथ केंद्र से भाजपा की विदाई तय हो गई है। भाजपा की इस लोकसभा चुनाव में चार सौ सीट तो बहुत दूर की बात है, दो सौ सीट भी आती हुई नही दिखाई दे रही है। महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों को अब कोई भी गंभीरता से नहीं लेता है। भाजपा का सत्ता से जाना लगभग तय है। भाजपा ने पहले एक बार फिर मोदी सरकार का नारा दिया था जिसके बाद अबकी बार चार सौ पार का नारा दे रही है। यह नारा उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाने के लिया दिया है, लेकिन भाजपा वास्तिवकता में दो सौ सीटें भी हासिल नहीं कर रही है। क्योंकि भाजपा के कार्यकर्ताओं का मनोबल जमीन में घुसता चला जा रहा है और भाजपा बुरी तरह से हारती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि सात मई को तीसरे चरण का संसदीय चुनाव संपन्न होगा, जिसमें इंडिया गठबंधन को मजबूती पहले के दो चरणों के मुकाबले और अधिक मजबूत हो जाएगी। हालांकि पहले और दूसरे चरण में हुए मतदान के बाद इंडिया गठबंधन बेहद मजबूत माना जा रहा है। तीसरे चरण के चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को बहुमत प्राप्त होगा। प्रोफेसर ने मैनपुरी में हुए समाजवादी पार्टी के रोड शो के बाद हुए हंगामे पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग हताश और निराश है।

इस हफ्ते आने वाले हैं तीन आईपीओ, मुनाफे पर चुकाना होगा टैक्स

नई दिल्ली।
शेयर बाजारों में तेजी के दम पर निवेशकों ने पिछले साल प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाया। इस सप्ताह भी तीन कंपनियां 6,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने वाली हैं, जिनमें पैसे लगाकर आप कमाई कर सकते हैं। ये तीनों कंपनियां हैं...आधार हाउसिंग फाइनेंस, इंडिजेन और टीबीओ टेक।

आईपीओ में मिले शेयरों को लिस्टिंग के दिन या उसके कुछ दिनों बाद बेचकर मुनाफा कमाते हैं तो टैक्स भरना होगा।कर विशेषज्ञों का कहना है कि आवंटित शेयरों की बिक्री पर कर देनदारी उतनी ही बनती है, जितनी किसी सूचीबद्ध शेयर से कमाई पर।

मुनाफा एक लाख रुपये से ज्यादा तो बनेगी कर देनदारी

आईपीओ के सूचीबद्ध होने के बाद ही मुनाफे पर टैक्स देनदारी की गणना होती है। शेयरों की बिक्री से होने वाला लाभ अगर एक लाख रुपये से ज्यादा हुआ तो टैक्स चुकाना पड़ेगा।

सूचीबद्ध होने के एक साल के भीतर आईपीओ में मिले शेयरों को बेचकर लाभ कमाते हैं तो 15 फीसदी शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स (एसटीसीजी) टैक्स भरना होगा। इस पर 4 फीसदी उपकर भी लगेगा।

अगर एक साल के बाद शेयर बेचकर मुनाफा बनाते हैं तो 10 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स देना होगा।

ऐसे समझें गणित

अगर आपने आईपीओ में 500 रुपये के भाव पर 50 शेयर खरीदा। एक साल के भीतर इसे 800 रुपये के भाव पर बेच दिया। इस तरह, आपको 15,000 रुपये का शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स प्राप्त हुआ। इस कमाई पर 15 फीसदी की दर से 2,250 रुपये टैक्स देना होगा। 4 फीसदी यानी 90 रुपये उपकर भी लगेगा। इस तरह, कुल कर देनदारी 2,340 रुपये बनेगी। इसी भाव पर शेयर एक साल बाद बेचते हैं तो मुनाफे पर 10 फीसदी एलटीसीजी भरना होगा, जो 1,500 रुपये बनता है। शेयर होल्डिंग अवधि की शुरुआत निवेश की तारीख से नहीं बल्कि शेयर आवंटन तारीख से होती है। यानी मुनाफे पर कर की गणना आईपीओ में आवंटित शेयर की तारीख से होगी।

शेयर बिक्री से हुए घाटे की कर सकते हैं भरपाई

आईपीओ के सूचीबद्ध होने के बाद शेयरों की कीमत खरीद भाव से नीचे चली जाती है तो इस घाटे की भरपाई अन्य शेयरों में हुए मुनाफे के साथ कर सकते हैं। अगर छोटी अवधि में बेचे शेयरों में नुकसान हुआ है तो इसी अवधि में एक साल पहले बेचे गए अन्य शेयरों के लाभ से इसे समायोजित कर टैक्स संबंधी भरपाई कर सकते हैं। हालांकि, एलटीसीजी पर भरपाई की सुविधा नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

सीओओ भावेश गुप्ता के इस्तीफे के बाद पेटीएम की पैतृक कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट, लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली । पेटीएम की पैतृक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के सीओओ भावेश गुप्ता के इस्तीफे के बाद कंपनी के शेयरों में बड़ी गिरावट दिखी। कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी के शेयरों में 5 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी (वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड) के शेयर 5 प्रतिशत तक टूटकर 351 रुपये प्रति शेयर के भाव पर आ गए थे। यह 13 मार्च के बाद कंपनी के शेयरों का सबसे निचला स्तर है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के शेयर 4.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 354.40 रुपये के भाव पर कारोबार करते दिखे। पिछले 12 महीनों के दौरान कंपनी के शेयरों में 51 प्रतिशत तक की गिरावट आ चुकी है। वहीं, 2024 में ही कंपनी के शेयर अब तक 44.20 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए कंपनी से इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा 4 मई से प्रभावी होगी। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि 31 मई को कारोबारी घंटे समाप्त होने के बाद गुप्ता को पदमुक्त कर दिया जाएगा। हालांकि कंपनी ने यह भी बताया है गुप्ता 31 मई के बाद भी सीईओ के दफ्तर से सलाहकार की भूमिका में जुड़े रहेंगे। इससे पहले, वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के नॉमिनी के रूप में भी गुप्ता का नाम वापस ले लिया था। वे पेटीएम पेमेंट्स बैंक में निदेशक और बोर्ड के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा के बोर्ड से हटने के बाद गुप्ता नाम भी नॉमिनी के रूप में वापस ले लिया गया था।

रद्द उड़ानों का टिकट बेचने के आरोप में कंतास एयरलाइन पर गिरी गाज, चुकाने पड़ेंगे 7.9 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख एयरलाइन क्वांटास एयरवेज पहले से रद्द हो चुकी उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री से जुड़ा मुकदमा को निपटाने को तैयार हो गया है। एयरलाइन ने इसके लिए 120 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 7.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति दे दी। एयरलाइन 100 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर या 6.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि जुर्माने के रूप में देगी वहीं 86,000 से अधिक ग्राहकों को 20 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर मुआवजे के रूप में दिया जाएगा। यह मामला 2021-2022 का है। ऑस्ट्रेलियाई प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष जीना कैस-गॉटलिब ने एक बयान में कहा, क्वांटास का आचरण अहंकारी और अस्वीकार्य था। कई उपभोक्ताओं ने एक ऐसे विमान की बुकिंग कर छुट्टी, व्यापार और यात्रा की योजना बनाई होगी, जिसे पहले ही रद्द कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि हम यह कार्रवाई इसलिए सुनिश्चित कर रहे हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाली कंपनियां हर समय अपने ग्राहकों के साथ स्पष्ट, सटीक और ईमानदारी से संवाद करती हैं। क्वांटास समूह की मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेनेसा हडसन ने कहा कि यह समझौता अदालत की मंजूरी के अधीन है और यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम राष्ट्रीय विमानन कंपनी के प्रति विश्वास बहाल करने की दिशा में काम कर रहे हैं। हडसन ने कहा, जब शटडाउन के बाद उड़ान फिर से शुरू हुई, तो हम मानते हैं कि कंटास ने ग्राहकों को निराश किया। हम जानते हैं कि हमारे कई ग्राहक समय पर विमान रद्द होने की सूचनाएं प्रदान करने में हुई हमारी विफलता से प्रभावित हुए थे और हमें ईमानदारी से इसके लिए खेद है।

18 जून को आ रही है बजाज की पहली सीएनजी बाइक

नई दिल्ली । भारत की पहली सीएनजी बाइक लेकर स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो अगले महीने आ रही है। बजाज ऑटो इसे 18 जून 2024 को लॉन्च करेगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक राजीव बजाज ने पल्सर एनएस400झेड के लॉन्च इवेंट में सीएनजी बाइक की लॉन्च डेट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि यह बाइक कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी और यह भारत में मोटरसाइकिल उद्योग को बदलने में मदद करेगी। इसकी कीमत 90,000 रुपये से लेकर 1,10,000 रुपये के बीच हो सकती है। इसमें एक बड़ा ईंधन टैंक, एक बड़ा सीट, एक व्यापक ग्रैब रेल और निकेल गार्ड से लैस हैंडलबार मिलेगा,जिससे पता चलता है कि यह सीएनजी बाइक आरामदायक और लंबी दूरी के लिए बेहतरीन होगा। बजाज की अपकमिंग बाइक का नाम बजाज ब्रूजर 125 सीएनजी होगा। इसमें 125सीसी का इंजन होगा, जो सीएनजी पर चलेगा। कंपनी का दावा है कि यह बाइक पेट्रोल बाइक के मुकाबले आधी कीमत में चलेगी।

सिंघानिया बोले- निजी जीवन का बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं : मेरा निजी जीवन मेरा ; 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा

नई दिल्ली।
गारमेंट्स एंड अपैरल कंपनी रेमंड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया ने कहा कि उनके निजी जीवन का उनके बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे बीच जो कुछ हुआ है, मुझे उस पर टिप्पणी नहीं करना है। मैं पूरी तरह से अपने बिजनेस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और नतीजों पर नजर रखूंगा।

दरअसल, सिंघानिया ने 13 नवंबर 2023 में अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से अलग होने का ऐलान किया था। हाल ही में रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों ने नवाज मोदी को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है।

31 मार्च को एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग के जरिए जेके इन्वेस्टर्स लिमिटेड , रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी को बोर्ड से बाहर किया कर दिया है। जब सिंघानिया से इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि विश्वास की कमी के कारण कुछ कंपनियों ने उन्हें बोर्ड से हटाया है।

सिंघानिया बोले- मेरा निजी जीवन मेरा निजी जीवन है

गौतम सिंघानिया ने कहा, सभी बिजनेस बढ़ रहे हैं। मेरा निजी जीवन मेरा निजी जीवन है, मैं इससे निपट लूंगा। मेरी दो खूबसूरत बेटियां हैं और उनके हित में मैंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेरा निजी जीवन कारोबारी क्षेत्र में किसी से संबंधित नहीं है।

10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा

गौतम सिंघानिया कहा कि 10,000 करोड़ का रेमंड ग्रुप तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें लाइफस्टाइल डिवीजन - अपैरल और फैबरिक की प्रमुख हिस्सेदारी है। उन्होंने ग्रुप के ऑर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर के बारे में भी बात की। सिंघानिया ने कहा - हमने ऑर्गेनाइजेशन में बदलाव किया है और हमारे पास मजबूत गवर्निंग बोर्ड हैं। पिछले 36 महीनों में हमारे पास बोर्ड में नए सदस्य आए हैं। हमारे हर बिजनेस में सीईओ हैं और बिजनेस बढ़ने के बाद उन्हें (स्टैटिक्स बिजनेस यूनिट) में डिवाइड किया जाएगा।

अलग होने के लिए संपत्ति में 75 प्रतिशत हिस्सा चाहती हैं नवाज मोदी

रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम सिंघानिया के अलग होने की ऐलान के बाद नवाज मोदी ने अलग होने के लिए शर्त रखी है। उन्होंने 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी है।

इसके बाद पिछले साल 22 नवंबर को रेमंड का शेयर बीएसई पर 1,666 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, उसके बाद से शेयर में सुधार देखा गया। आज रेमंड का शेयर करीब 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,161 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सिंघानिया के क्लॉथ, रियल एस्टेट सहित कई बिजनेस

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए है। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस हैं। रेडिमेड कपड़ों के बाजार में ग्रुप की दमदार मौजूदगी है। यह डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है।

गौतम बचपन से ही कारों के लिए क्रेजी रहे हैं। इसी बात को समझते हुए उनके पिता ने उनके 18वें जन्मदिन पर उन्हें 1100 कार गिफ्ट की थी।

गौतम सिंघानिया के पास टेस्ला मॉडल एक्स, लेम्बोर्गिनी, लोटस एलिस कन्वर्टिबल, निसान स्काईलाइन जीटीआर, फेरारी 458 इटालिया और ऑडी सहित कई कारें हैं।

1999 में गौतम सिंघानिया ने नवाज से शादी की थी। इससे पहले 8 साल तक दोनों रिलेशनशिप में रहे थे। नवाज के पिता इस शादी के लिए राजी नहीं थे। 2005 में गौतम सिंघानिया ने मुंबई के बांद्रा में 'पॉइजन' नाम से एक नाइट क्लब खोला था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन सिंघानिया फैमिली की खास दोस्त हैं।

महाराष्ट्र के अलीबाग में गौतम का एक फार्म हाउस भी है, जहां वे हर साल अपने दोस्तों और फैमिली के लिए न्यू ईयर पार्टी ऑर्गेनाइज करते हैं।

नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे

गौतम ने बताया था कि, पारसी लड़की को पत्नी बनाना आसान नहीं रहा। नवाज के पिता शादी के लिए राजी नहीं थे, लेकिन बेटी की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा। शादी के बाद भी कल्चरल डिफरेंस होने के कारण गौतम और नवाज को कई एडजस्टमेंट्स करने पड़े। गौतम का उनके पिता विजयपत सिंघानिया से भी विवाद रहा है। गौतम सिंघानिया पर अपने पिता को घर से निकालने तक के आरोप लगे हैं। विजयपत सिंघानिया ने रेमंड्स की नींव रखी थी।

एलआईसी एजेंट ने बुढ़ापे में खड़ी कर दी 23 हजार करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली ।
दुनिया में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिन्होंने ढलती उम्र में बड़ी सफलता हासिल की है। ऐसे ही कहानी लक्ष्मण दास मित्तल की है। लक्ष्मण दास सोनालिका ट्रैक्टर्स के फाउंडर हैं। एक समय पर वह एलआईसी के एजेंट हुआ करते थे। उन्होंने अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई थी। रिटायरमेंट की उम्र में उन्होंने कारोबार की शुरुआत की थी। आज देश के टॉप ट्रैक्टर्स के ब्रांड में सोनालिका का नाम शामिल हो चुका है। वह देश के सबसे उम्रदराज अरबपति हैं। लक्ष्मण दास मित्तल की कहानी अनोखी है, उन्होंने लोगों के लिए एक मिसाल कायम की है। लक्ष्मण दास ने दिखा दिया कि सफलता किसी भी उम्र में हासिल की जा सकती है। लक्ष्मण दास मित्तल सोनालिका ग्रुप और सोनालिका ट्रैक्टर्स के चेयरमैन हैं। इनका जन्म 5 अगस्त 1931 को पंजाब के होशियारपुर में हुआ था।

इनके पिता हुकुमचंद स्थानीय मंडी में अनाज के डीलर थे, इसलिए उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। उनके पिता उन्हें हमेशा से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते थे। पढ़ाई पूरी करने के बाद 1955 में लक्ष्मण दास ने एलआईसी एजेंट के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। लक्ष्मण दास शुरू से ही बिजनेस करना चाहते थे। लेकिन बिजनेस के लिए पूंजी की जरूरत होती है। इसके लिए उन्होंने एलआईसी एजेंट के रूप में काम करते हुए अपनी सैलरी से पाई-पाई बचाई। उसी बचत से उन्होंने 1962 में नौकरी करते हुए थ्रेशर मशीन बनाने का काम शुरू किया, लेकिन इसमें वो सफल नहीं सके। उनका यह कारोबार डूब गया और वे दिवालिया हो गए, इस दौरान उनकी नेटवर्थ सिर्फ 1 लाख रुपये रह गई।

साल 1996 में लक्ष्मण दास मित्तल ने अपनी सारी जमा पूंजी लगाकर सोनालिका ट्रैक्टर्स की शुरुआत की थी। लक्ष्मणदास मित्तल की ट्रैक्टर कंपनी का उत्तर भारतीय राज्यों में मजबूत कारोबार है। सोनालिका ग्रुप के 5 प्लांट पांच अलग-अलग देशों में स्थित है। कंपनी 120 से अधिक देशों में ट्रैक्टर निर्यात करती है। फोर्ब्स की लिस्ट में उन्हें अरबपतियों की लिस्ट में शामिल किया गया। उनकी नेटवर्थ 2.5 अरब डॉलर के आस पास है।

थार और जिम्नी को टक्कर देने आ गई 2024 फोर्स गुरखा कंपनी ने 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट किया लॉन्च

नई दिल्ली।
भारतीय बाजार में 2024 फोर्स गुरखा लॉन्च हो गई है जो महिंद्रा की थार और मारुति की जिम्नी को टक्कर देगी। 2024 फोर्स गुरखा का कंपनी ने अपडेटेड 3-डोर वेरिएंट और 5-डोर वेरिएंट लॉन्च किया है। 3-डोर वेरिएंट की कीमत 16.75 लाख रुपए है और नए 5-डोर वेरिएंट की कीमत 18 लाख रुपए एक्स शोरूम है। कंपनी ने 2024 फोर्स गुरखा की बुकिंग शुरू कर दी गई है। ग्राहक इसे 25,000 रुपए टोकन मनी देकर बुक कर सकते हैं। इसकी डिलीवरी मई माह के अंत में शुरू की जाएगी। यह कार महिंद्रा थार और मारुति जिम्नी को टक्कर देगी। फोर्स गुरखा के दोनों वेरिएंट में 2.6-लीटर 4 सिलेंडर डीजल इंजन लगा है, जो 138बीएचपी की पावर और 320एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के जरिए पावर चारों पहियों तक जाती है। 5-डोर वेरिएंट की लंबाई 4,390 मिमी, चौड़ाई 1,865 मिमी और ऊंचाई 2,095 मिमी है। इसका व्हीलबेस 2,825 मिमी लंबा है। वहीं 3-डोर वेरिएंट की लंबाई 3,965 मिमी, चौड़ाई 1,865

मिमी, ऊंचाई 2,080 मिमी और व्हीलबेस 2,400 मिमी है। 2024 फोर्स गुरखा एसयूवी में साइड टायर (255/65 आर18) पर नए आकर्षक 18 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। 2024 फोर्स गुरखा बैज के साथ एक नया फ्रंट ग्रिल, एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) के साथ रेट्रो-स्टाइल गोलाकार एलईडी हेडलैंप और बीच में एक छोटे एयर डैम और गोल फॉग लैंप के साथ एक ब्लैक फ्रंट बम्पर दिया गया है। गाड़ी में 9.0-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, एप्पल कारप्ले और एंड्राइड ऑटो कनेक्टिविटी, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, टेलीस्कोपिक स्टीयरिंग एडजस्ट, रियर कैमरा और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे फीचर्स दिए गए हैं ।

लंबी अवधि में लार्जकैप में निवेश बेहतर फैसला ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

नई दिल्ली ।
चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम अब अंतिम चरण में है। लगातार चौथी तिमाही में मार्जिन बढ़ने से कमाई में वृद्धि का रुझान बरकरार है। बाजार उच्चतम स्तर पर है, इसलिए निकट अवधि में अस्थिरता पर नजर रखनी चाहिए। बाजार का मूल्यांकन महंगा है। मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, इसलिए लार्जकैप में बदलाव जरूरी है। निवेशकों को छोटी के बजाय लंबी अवधि पर ध्यान देना चाहिए। अगले दो महीने चुनाव के लिहाज से अहम हैं, जो निकट भविष्य में बाजार की दिशा तय कर सकते हैं।

भारत के लिए मजबूत सकारात्मक कारक

भारत वैश्विक स्तर पर उन कुछ भौगोलिक क्षेत्रों में से एक बना हुआ है, जो इसे बनाए रखने के लिए कई सकारात्मक कारकों के साथ मजबूत जीडीपी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। यह कारक निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करते रहना चाहिए।

चुनाव खत्म हो जाने के बाद उम्मीद है कि भारत का पूंजीगत खर्च तेज हो जाएगा। विश्व स्तर पर कम ब्याज दरों की उम्मीदें एक और महत्वपूर्ण घटना है जिस पर नजर रखनी होगी।

ऑटोमोबाइल व रियल एस्टेट आकर्षक क्षेत्र

बाजार की गतिशीलता अनुकूल चक्रीय कारकों से प्रभावित होगी, जो मुख्य रूप से निजी पूंजीगत खर्च से प्रेरित है, जिसके निकट अवधि में बढ़ने की उम्मीद है। यह चक्र इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और यूटिलिटीज जैसे निवेश वाले क्षेत्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट क्षेत्र भी निवेश के लिहाज से आकर्षक है। बिजली, रक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों पर भी विचार किया जा सकता है, जिन्हें सरकार की नीतियों से फायदा हो सकता है।

एसेट के एलोकेशन पर जरूर दें ध्यान

मिड व स्मॉलकैप में तेजी के कारणनिवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करने की जरूरत है। इन दोनों में से कुछ रकम लार्जकैप में निवेश की जा सकती है। हालांकि, निवेशकों के लिए जो अधिक महत्वपूर्ण है, वह एसेट एलोकेशन का पालन करना है। एक्सिस एएमसी के एमडी-सीईओ बी गोपकुमार कहते हैं कि अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग विभिन्न आर्थिक स्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

हर्षद मेहता युग की वापसी हो रही, उद्योगपति हर्ष गोयनका ने छोटे निवेशकों को दी चेतावनी

मुंबई ।
आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन और मशहूर उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर बाजार में गड़बड़ी की आशंका जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस गड़बड़ी की वजह से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। हर्ष गोयनका ने चेताया कि शेयर बाजार में जो तेजी देखी जा रही है, वो हर्षद मेहता और केतन पारेख के दौर में जो धांधलियां हुईं, उनकी वापसी की वजह से हो सकती है।

हर्ष गोयनका ने ट्वीट कर दी चेतावनी - हर्ष गोयनका ने ये भी दावा किया कि कोलकाता से गड़बड़ी की जा रही है और इसमें गुजराती और मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ काम कर रहा है। हर्ष गोयनका ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तेजी से बढ़ते शेयर बाजार के साथ हर्षद मेहता/केतन पारेख युग की वापसी हो

रही है और खासकर कोलकाता से ये सब हो रहा है।

प्रमोटर्स (प्रॉफिट एंट्री के जरिए) मुनाफा बढ़ा रहे हैं और गुजराती-मारवाड़ी दलालों का गठजोड़ स्टॉक की कीमतों को अवास्तविक स्तर पर ले जा रहा है। इससे छोटे निवेशकों को भारी नुकसान हो सकता है। वक्त आ गया है, जब सेबी और वित्त मंत्रालय इसमें दखल दे और छोटे निवेशकों को नुकसान होने से पहले इसकी जांच करे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हर्ष गोयनका के ट्वीट के बाद शेयर बाजार में गिरावट भी देखी गई और शेयर बाजार 74 हजार के अंक से नीचे पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 200 से ज्यादा अंकों की गिरावट देखी गई।

हालांकि कई ट्रेडर्स का कहना है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि लोकसभा चुनाव के बाद नई सरकार आयकर व्यवस्था में बदलाव कर सकती है, इसकी वजह से मार्केट में गिरावट आई। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि ये सिर्फ अफवाह है।

क्या था हर्षद मेहता घोटाला - 90 के दशक में भारत का शेयर बाजार हर्षद मेहता द्वारा किए गए घोटाले से हिल गया था।

हर्षद मेहता, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में एक सामान्य स्टॉक ब्रोकर था, जिसने देश की बैंकिंग व्यवस्था में खामियों का फायदा उठाकर स्टॉक मार्केट में धांधली की। हर्षद मेहता ने चुनिंदा शेयरों की कीमत को फर्जी तरीके से बढ़ा दिया। हर्षद मेहता ने इसके लिए सरकारी बैंकों से हुंडी पर पैसा उठाया और उसे शेयरों की कीमत बढ़ाने में इस्तेमाल किया। जिससे लोगों में इन शेयरों की खरीदने की होड़ मच गई और इससे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भारी वृद्धि हुई।

बाद में जब धांधली का खुलासा हुआ तो निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस घोटाले के बाद ही सेबी का गठन हुआ। हर्षद मेहता घोटाले के करीब दस साल बाद केतन पारेख पर भी ऐसा ही घोटाला करने के आरोप लगे।

अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों की वृद्धि दर 14 साल में सबसे तेज, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली । देश के सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) की वृद्धि दर अप्रैल में थोड़ी कम रही, लेकिन इस दौरान अनुकूल आर्थिक हालात और मजबूत मांग के बीच नये कारोबार और उत्पादन की वृद्धि 14 साल में सबसे तेज रही। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मार्च के 61.2 से गिरकर अप्रैल में 60.8 पर आ गया। सर्वेक्षण के सदस्यों ने उत्पादन में ताजा तेजी के लिए अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों, मांग में मजबूती और नए काम बढ़ने को जिम्मेदार बताया। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजल भंडारी ने कहा, नए ऑर्डरों में और तेजी से भारत की सेवा गतिविधियां अप्रैल में थोड़ी नरम गति से बढ़ीं। इस दौरान घरेलू मांग में तेजी के अलावा, फर्मों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए व्यापार लाभ का उल्लेख किया। सितंबर 2014 में पीएमआई सीरीज शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजुल भंडारी ने कहा, ''अप्रैल में भारत की सेवा गतिविधियों में थोड़ी धीमी गति से वृद्धि हुई, जिसे घरेलू मांग में उल्लेखनीय मजबूती के साथ नए ठेकों और वृद्धि का समर्थन मिला।'' घरेलू मांग में तेजी के अलावा, कंपनियों ने दुनिया के कई हिस्सों से नए कारोबारी लाभ का भी उल्लेख किया जिसने सामूहिक रूप से सितंबर 2014 में श्रृंखला शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बिक्री में दूसरी सबसे तेज वृद्धि को बल दिया। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अप्रैल में 61.5 रहा जो मार्च में 61.8 था। यह 14 वर्षों में दूसरे सबसे मजबूत उछाल को दर्शाता है। भंडारी ने कहा, ''समग्र गतिविधि के संदर्भ में, विनिर्माण व सेवा दोनों क्षेत्रों में कुल उत्पादन अप्रैल में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा यद्यपि थोड़ी धीमी गति से जो इन क्षेत्रों में निरंतर बेहतरी का संकेत देता है।

भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने पेरिस ओलंपिक का टिकट किया पक्का, पुरुष टीम भी पीछे नहीं

बहामास । भारतीय महिला 4×400 मीटर रिले टीम ने विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट में दूसरे स्थान पर रहने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इसके साथ ही भारतीय पुरुषों की 4×400 मीटर रिले टीम ने भी नासाउ, बहामास में विश्व एथलेटिक्स रिले में दूसरे दौर की हीट रेस के दौरान पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया।

रूपल चौधरी, एम आर पूवम्मा, ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन ने तीन मिनट और 29.35 सेकेंड का समय लेकर हीट नंबर एक में जमैका (3: 28.54) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, भारतीय टीम पहले दौर की क्वालीफाइंग हीट में तीन मिनट और 29.74 सेकेंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही थी।

दूसरे स्थान पर रही पुरुष टीम

मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, आरोकिया राजीव और अमोज जैकब की पुरुष टीम ने तीन मिनट 3.23 सेकेंड के साथ अपनी हीट में अमेरिका (2:59.95) के बाद दूसरे स्थान पर फिनिश किया।

मालूम हो कि दूसरे दौर में तीनों हीट में शीर्ष दो पर रहने वाली टीमें पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा।

अब तक 19 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट कर चुके हैं क्वालीफाई पुरुष टीम क्वालीफाइंग हीट के पहले दौर में दौड़ समाप्त करने में नाकाम रही थी क्योंकि सेकेंड लेग रनर राजेश रमेश को क्रैंप्स के कारण बाहर हटना पड़ा था।

इस कोटा के साथ ही भारत के पेरिस ओलंपिक में 19 ट्रैक एंड फील्ड एथलीट हो गए हैं जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अस्थाई रूप से निलंबित होने के बाद बजरंग का पहला बयान, कुश्ती संघ ने नाडा पर लगाए गंभीर आरोप

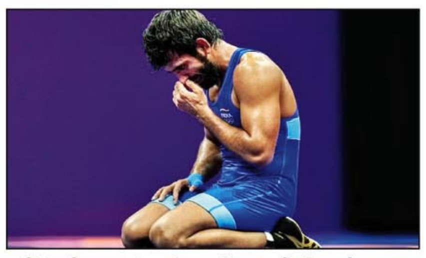

नई दिल्ली । बजरंग पूनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे अंधेरे में रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है। बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थाई निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था। बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गए थे। बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर एक्सपायर हो चुकी किट देने का आरोप लगाते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा- मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया। मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए। उन्होंने कहा, मेरे वकील इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे। बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया। संजय ने कहा- यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया। मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और उस बैठक में यह मामला नहीं उठाया गया था। उन्होंने कहा, वे रहने के स्थान संबंधी शर्तों, लंबी सूची (पेरिस ओलंपिक के लिए संभावित दावेदार) जैसे मामलों पर हमारे साथ संवाद करते रहते हैं। यहां तक कि हमने हाल ही में हुए फेडरेशन कप के बारे में भी चर्चा की, जहां उन्होंने विजेताओं से नमूने इकट्ठा करने के लिए अधिकारियों को भेजा था। संजय ने कहा- उन्होंने हमें बजरंग पुनिया के निलंबन के बारे में नहीं बताया। मैंने नाडा अधिकारियों को फोन किया और उनके पास मेरे प्रश्न का कोई जवाब नहीं था। अब मैं नाडा को पत्र लिखने और वाडा को इस बारे में सूचित करने की योजना बना रहा हूं। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि विनेश फोगाट ने भी पटियाला में महिलाओं के 50 किग्रा का ट्रायल जीतने के बाद शुरू में अपना नमूना देने से इनकार कर दिया था। संजय ने कहा- हमें किसी ने भी यह नहीं बताया कि ट्रायल (सोनीपत और पटियाला में) के बाद किसके नमूने लिए गए थे और उन नमूनों से क्या निकला। जरा कल्पना करें कि अगर बजरंग फेडरेशन कप में प्रतिस्पर्धा करने आए होते तो हमने उन्हें अनुमति दे दी होती क्योंकि हमारे पास कोई जानकारी नहीं थी कि उन्हें निलंबित कर दिया गया है। ओलंपिक के लिए विश्व क्वालिफायर्स का आयोजन नौ मई से तुर्किये में होगा।

रोहित के नाम है सबसे अधिक टी20 विश्वकप खेलने का रिकार्ड

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा एक बार फिर भारतीय टीम की कप्तानी करते नजर आयेंगे। रोहित के नाम इस विश्वकप में एक ऐसा रिकार्ड है जिसके करीब आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं पहुंचा। यहां तक कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस मामले में पीछे रह गये हैं। रोहित ने सबसे अधिक बार इस टूर्नामेंट में खेला है। वह इस टूर्नामेंट के पहले सत्र से लेकर अब तक सभी विश्व कप में टीम में शामिल रहे हैं। इस प्रकार उनके नाम टी20 विश्व कप में कुल 39 मैच खेलने का रिकॉर्ड हो गया है। वहीं दूसरे नंबर पर 36 मैच खेलने वाले बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन शामिल हैं। ऐसे में शाकिब ही एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो उनका ये रिकार्ड तोड़ सकते हैं। टी20 विश्वकप में खेलने की इस सूची में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो, पाकिस्तान के शाहिद अफीरीद, शोएब मलिक, भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल भी शामिल हैं। इन सभी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, वहीं विराट कोहली ने केवल 27 मुकाबले खेले हैं, इससे वह भी रोहित शर्मा के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंच पाएंगे।

टी-20 वर्ल्डकप में आतंकी हमले की धमकी

आईएस खोरासान ने वेस्टइंडीज को वीडियो मैसेज भेजा इंडिया सुपर-8 में पहुंची तो सभी मैच यहीं होंगे

नई दिल्ली । पाकिस्तान-अफगानिस्तान में एक्टिव आतंकी संगठन आईएस खोरासान ने टी-20 वर्ल्डकप के दौरान आतंकी हमले की धमकी दी है। त्रिनिदाद और टोबागो के प्रधानमंत्री कीथ राउली ने बताया कि आतंकी संगठन ने कई देशों को वीडियो मैसेज भेजे हैं, इनमें वेस्टइंडीज भी शामिल है।

टी-20 वर्ल्डकप वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2 जून से 29 जून तक खेला जाएगा। इंडिया के सभी लीग मैच अमेरिका में होने हैं। इसके बाद अगर टीम सुपर-8 के लिए क्वालिफाई करती है तो उसे ये मुकाबले वेस्टइंडीज में खेलने होंगे।

आतंकी संगठन ने धमकी में क्या कहा

प्रो-इस्लामिक स्टेट के मीडिया ने कई देशों में स्पोर्ट्स इवेंट्स के दौरान हिंसा की धमकी दी है। आईएस खोरासान की अफगानिस्तान-पाकिस्तान ब्रांच ने प्रोपेगैंडा चैनल नशीर-ए-पाकिस्तान के जरिए एक वीडियो मैसेज जारी किया है। इसमें समर्थकों से अपील की गई है कि वे इन देशों में हमलों के लिए साथ दें।

वेस्टइंडीज सरकार और क्रिकेट बोर्ड ने क्या कहा

क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव्स ने क्रिक बज से कहा, हम अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम यह निश्चित करेंगे कि वर्ल्डकप के दौरान होस्ट देशों और शहरों में लगातार निगरानी हो और हम किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार रहें।

वर्ल्डकप के दौरान वेस्टइंडीज में कहां-कहां मैच होंगे

वेस्टइंडीज में एंटीगुआ और बरबूडा, बारबडोस, गुयाना, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट, ग्रेनाडाइंस, त्रिनदाद और टोबागो में वर्ल्डकप मैच होंगे। अमेरिका में फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और टेक्सास में मुकाबले खेले जाएंगे।

क्या वर्ल्डकप के को-होस्ट अमेरिका को भी धमकी मिली

रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक अमेरिका में वर्ल्डकप के दौरान हमले की धमकी की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। टीम इंडिया वर्ल्डकप के दौरान अमेरिका-वेस्टइंडीज में कहां-कहां खेलेगी टीम इंडिया ग्रुप ए में शामिल है। इस ग्रुप में कनाडा, अमेरिका, पाकिस्तान और आयरलैंड शामिल हैं। इस ग्रुप के सभी लीग मैच अमेरिका में होंगे। टीम इंडिया अगर इस ग्रुप में पहले या दूसरे नंबर पर रहती है तो सुपर 8 मुकाबलों के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

सुपर 8 के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे। इसके बाद 2 सेमीफाइनल और फाइनल भी वेस्टइंडीज में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप में टोटल कितने मैच, अमेरिका और वेस्टइंडीज में कितने मुकाबले होंगे

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में ग्रुप, नॉकऑउट और फाइनल को लेकर कुल 55 मैच खेले जाएंगे। इसमें से 39 मैच वेस्टइंडीज में और 16 अमेरिका में होंगे। सभी नॉकऑउट और फाइनल मैच वेस्टइंडीज में खेला जाएगा।

टी-20 विश्व कप के बाद एमएलसी में खेलेंगे हेड

मुम्बई । भारत में अभी आईपीएल खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने कहा है कि वह टी-20 विश्व कप के बाद अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सत्र में खेलेंगे। अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 विश्व कप 29 जून को खत्म होगा। इसके बाद सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। इसी का लाभ उठाते हुए हेड ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। हेड ने आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से अब तक शानदार प्रदर्शन किया है , इससे टी-20 प्रारुप में उनकी मांग भी बढ़ी है। हेड का कहना है कि उनका खेल से ब्रेक लेने का कोई इरादा नहीं है। वह मेजर लीग में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलने के लिए टीम से जुड़ेंगे। हेड के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ फ्रीडम भी खेलेंगे। टीम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग रहेंगे। पोंटिंग को इस लीग के लिए ग्रेग शिपर्ड की जगह कोच बनाया गया है। पोंटिंग भी अभी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच हैं। फ्रीडम की ओर से न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र भी खेलेंगे। टीम ने 2023 सत्र के लिए माकर जेन्सन और अकील होसेन जैसे दो विदेशी खिलाड़ियों को भी रखा है। इस लीग में एडम ज़म्पा लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, स्पेंसर जॉनसन नाइट राइडर्स और टिम डेविड एमआई न्यूयार्क भी खेलेंगे।) शामिल हो गए हैं।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए सिंगापुर, भारत के साथ बातचीत अंतिम चरण में: फिडे

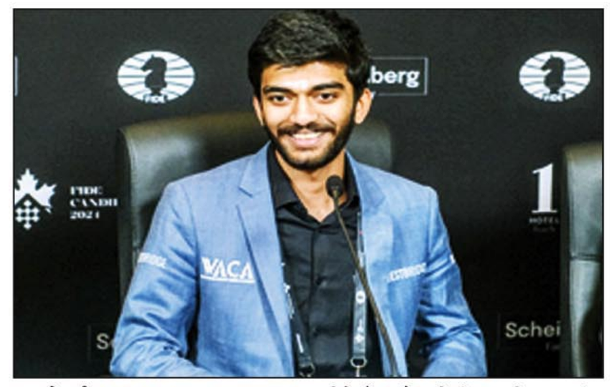

चेन्नई । अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) इस साल के अंत में खेले जाने वाले विश्व शतरंज चैंपियनशिप मैच की मेजबानी के लिए भारत और सिंगापुर के साथ अग्रिम बातचीत कर रहा है।

विश्व शतरंज खिताबी मुकाबला मौजूदा चैंपियन और चीनी ग्रैंडमास्टर (जीएम) डिंग लिरेन और दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज खिताब के दावेदार भारतीय जीएम, 17 वर्षीय डी. गुकेश के बीच खेला जाएगा।

फिडे के सीईओ जीएम एमिल सितोवस्की ने बताया, कोई औपचारिक बोली नहीं आई है, लेकिन हम कई देशों के साथ गहन बातचीत कर रहे हैं, जिसमें सिंगापुर और भारत सबसे उन्नत चरण में हैं। ऐसी संभावना है कि हमें एक से अधिक औपचारिक बोलियां मिलेंगी।

पिछले महीने, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने आईएएनएस को बताया था कि महासंघ भारत में विश्व शतरंज खिताबी मुकाबले की मेजबानी की संभावना का आकलन कर रहा है। फिडे के अनुसार, विश्व चैम्पियनशिप मैच में 14 मुकाबले होते हैं, और जो खिलाड़ी 7.5 अंक या अधिक स्कोर करता है वह मैच जीत जाता है। यदि 14 गेम के बाद स्कोर बराबर है, तो विजेता का फैसला टाईब्रेक गेम के माध्यम से किया जाता है। फिडे ने हाल ही में 20 नवंबर से 15 दिसंबर, 2024 के बीच अस्थायी रूप से निर्धारित विश्व शतरंज चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी के लिए इच्छुक पार्टियों से बोलियां मांगी थीं। फिडे के मुताबिक, 31 मई बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख है।

अन्य विवरण हैं:

आयोजन की कुल अवधि - 25 दिनों तक विनियम 1 जुलाई, 2024 तक अनुमोदित किए जाएंगे। आयोजन का न्यूनतम कुल बजट - 85,00,000 न्यूनतम पुरस्कार राशि - 25,00,000 फिडे शुल्क - .11,00,000 वाणिज्यिक, प्रायोजन और प्रसारण अधिकारों के लिए भुगतान बोलीदाताओं के प्रस्तावों के अनुसार निर्दिष्ट किया जाएगा। आयोजक वीडियो प्रसारण सहित फिडे प्रायोजकों और भागीदारों के अधिकारों का सम्मान करेगा। दिलचस्प बात यह है कि गुकेश अब ओपन वर्ग में छठे स्थान पर हैं, जबकि लिरेन सातवें स्थान पर हैं।

आईसीसी इवेंट खेलने से मना करना बीसीसीआई के लिए नुकसानदेह रहेगा : राशिद लतीफ

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ अपने विवादास्पद बयानों के लिए जाने जाते हैं। वहीं अब लतीफ ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को चेताया है कि अगर उसने अगले साल चैम्पियंस ट्राफी खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजी तो उसे भी भारी नुकसान होगा। वहीं पाक बोर्ड पीसीबी ने पहले ही साफ कर दिया है कि इस बार वैकल्पिक जगहों पर मुकाबले नहीं होंगे और एशिया कप की तरह से हाइब्रिड मॉडल पर विचार नहीं किया जाएगा।

इसी को लेकर लतीफ ने कहा कि, आप द्विपक्षीय सीरीज खेलने से मना कर सकते हैं पर आईसीसी आयोजनों से मना करना मुश्किल है। इसका कारण है कि जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलने जाना है। जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें विश्व कप खेलने के लिए भारत जाना है। इसी कारण आईसीसी क्रिकेट बोर्डों से अनुबंध पर हस्ताक्षर करने को कहती है।

लतीफ ने ये भी कहा कि साल 1996 विश्व कप में, ऑस्ट्रेलिया और वेस्डइंडीज ने श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया और पूरा समूह बदल गया और श्रीलंकाई टीम विजेता बन गया। ये बहुत बड़ी गलती थी, अगर भारत ने करार पर हस्ताक्षर किये हैं तो उन्हें जाना चाहिये।

कैथरीन ब्राइस की बदौलत स्कॉटलैंड ने रचा इतिहास, पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में पक्की की अपनी जगह

नई दिल्ली । स्कॉटलैंड क्रिकेट के लिए दिन ऐतिहासिक रहा क्योंकि महिला टीम ने बांग्लादेश में इस साल होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। स्कॉटलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में जगह पक्की की। कैथरीन ब्राइस ने स्कॉटलैंड का सामने आकर नेतृत्व किया और उनकी यात्रा में सुनहरा अध्याय जोड़ा।

स्कॉटलैंड ने लौरा डेलानी के नेतृत्व वाली आयरलैंड को अबुधाबी के जायेद क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में 8 विकेट से मात देकर अपनी जगह पक्की की। स्कॉटलैंड को पहले गेंदबाजी का मौका दिया गया और उसने विरोधी टीम को 110/9 के स्कोर पर रोक दिया।

स्कॉटिश कप्तान का उम्दा प्रदर्शन

26 साल की कैथरीन ब्राइस ने शानदार गेंदबाजी स्पेल डाला, जिसमें 19 तो डॉट बॉल रही। उन्होंने 4 ओवर के अपने स्पेल में केवल 8 रन खर्च किए और चार विकेट चटकाए। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज रचेल स्लेटर ने कप्तान का अच्छा साथ निभाया और तीन विकेट झटके। रचेल ने 3 ओवर में 32 रन देकर तीन विकेट लिए। प्रियानाज चैटर्जी और हनाह रैनी को विकेट नहीं मिला, लेकिन दोनों ने 8 ओवर में केवल 38 रन खर्च किए।

मेगन मैकॉल का अर्धशतक

लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड के लिए सासकिया होर्ली कुछ कमाल नहीं कर सकी, लेकिन उनकी ओपनिंग जोड़ीदार मेगन मैकॉल ने 47 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 50 रन बनाए और स्कॉटलैंड की जीत की राह आसान बना दी। गेंद से धांसू प्रदर्शन करने के बाद कैथरीन ब्राइस ने बल्ले से भी कमाल दिखाया। कैथरीन ब्राइस ने 29 गेंदों में पांच चौके की मदद से नाबाद 35 रन की मैच विजयी पारी खेली। कैथरीन की पारी की मदद से स्कॉटलैंड ने 22 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल किया।

कैथरीन का दमदार प्रदर्शन

कैथरीन ब्राइस ने पूरे टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। वह क्वालीफायर्स में इस समय सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बैटर हैं। उन्होंने 5 मैचों में 88.50 की औसत और 112.02 के स्ट्राइक रेट से 177 रन बनाए। इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में भी युवा खिलाड़ी ने कमाल का प्रदर्शन किया। कैथरीन ब्राइस ने 5 मैचों में केवल 3.87 की इकोनॉमी दर से 9 विकेट चटकाए। कैथरीन स्कॉटलैंड के लिए कप्तान के तौर पर बड़ी प्रेरणादायी हैं।

आईजीयू का गोल्फ को आगे बढ़ाने, खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर पर जोर

नई दिल्ली । अपने युवा भारतीय एमेच्योर खिलाड़ियों की हालिया सफलता से उत्साहित होकर इंडियन गोल्फ यूनियन ने पूरे देश में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षकों की ट्रेनिंग सहित विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। आईजीयू को भारत सरकार के खेल और युवा मामलों के मंत्रालय से सक्रिय समर्थन और धन भी मिल रहा है। इससे गोल्फ के लिए समुचित माहौल बनाने में आईजीयू को बहुत मदद मिल रही है। खेल मंत्रालय पेरिस में ओलंपिक खेलों से पहले गोल्फ खिलाड़ियों का समर्थन करने में बहुत उदार रहा है। आईजीयू प्रेसीडेंट ब्रिजिंदर सिंह के अनुसार, इससे देश में गोल्फ के लिए एक महत्वपूर्ण वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। आईजीयू, जो राष्ट्रीय पीजीए के संघ, व्यावसायिक गोल्फ परिसंघ (सीपीजी) का एक संबद्ध सदस्य है, ने अपने विंग, नेशनल गोल्फ अकादमी ऑफ इंडिया (एनजीएआई) के माध्यम से विशेष सत्र आयोजित करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक भी नियुक्त किया है जो शिक्षण पेशेवरों और प्रशिक्षकों को उनके ज्ञान को अद्यतन और उन्नत करने में मदद करेंगे। आईजीयू को खेल को आगे बढ़ाने में गोल्फ के लिए विश्व की शासी निकाय रॉयल एंड एंशिएंट का भी सक्रिय समर्थन प्राप्त है। आईजीयू अब खेल को बढ़ाने के लिए उत्तर-पूर्व सहित देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस पूरे मामले पर बात करते हुए आईजीयू के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने कहा, हमने आधार बनाने में एक साल से अधिक समय बिताया है और धन जुटाने में काफी सफलता मिली है और प्रायोजकों के माध्यम से और इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) बनाने जैसी अपनी गतिविधियों के माध्यम से अधिक धन प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं। समय-समय पर, हमें अंतरराष्ट्रीय बैठकों में बताया गया है कि क्षेत्र में खेल को विकसित करने के लिए बिरादरी भारत को कैसे देखती है। हमारे पास संख्याएं हैं, हमारे पास एक कोच प्रमाणन प्रणाली है और अब हमारे शिक्षकों को पढ़ाने और अधिक लोगों को खेल खेलने के लिए प्रेरित करने के कार्यक्रमों के साथ हमें उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों में भारत एक गोल्फ शक्ति बन जाएगा ।%% उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य लोकप्रिय 'खेलो इंडिया गेम्स' जैसे कार्यक्रमों में गोल्फ को शामिल करना और स्कूलों में गोल्फ को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना है। इस संबंध में हमें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और खेल इस विचार के लिए खुले हैं। आईजीयू ने यह भी खुलासा किया कि सीपीजी ने भारतीय प्रशिक्षकों, सहायक शिक्षकों और अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए मास्टर ट्रेनर भेजे हैं जो समाप्त होगी। यह एनजीएआई द्वारा किए गए सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक है, जिसे आईजीयू ने लगभग दो दशक पहले स्थापित किया था। भारत के पूर्व गोल्फर मानव दास इसके माध्यम से एनजीएआई का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आईजीयू के प्रमुख कार्यक्रम, हीरो इंडियन ओपन के अध्यक्ष, एस के शर्मा ने कहा, ये कार्यक्रम सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को उनके घरेलू मैदान पर अवसर मिलें। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षकों के अभाव में, युवा गोल्फ खिलाड़ी अक्सर दिल्ली, चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों में आते हैं और दक्षिणी भारत और अन्य हिस्सों में भी यही स्थिति है। हम चाहते हैं कि उनके घरों के पास कोच हों। हमें सुविधाएं देने के लिए पाठ्यक्रम प्राप्त करने चाहिए और एक बार जब हमारे पास सीपीजी के साथ बातचीत के माध्यम से अधिक गुणवत्ता वाले कोच होंगे, तो खेल बढ़ेगा और यह गेम चेंजर हो सकता है।

भारत के एमेच्योर खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रकाश डालते हुए आईजीयू के महानिदेशक मेजर जनरल विभूति भूषण ने कहा, हमारे एमेच्योर सितारों ने हमें गौरवान्वित किया है, जैसे अवनि प्रशांत जिन्होंने क्वीन सिरिकिट कप में व्यक्तिगत सम्मान जीता और विश्व एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने यूरोप में एक प्रो इवेंट भी जीता और रॉयल जूनियर कप में दूसरे स्थान पर रहीं। उसका भविष्य बहुत अच्छा है।

उन्होंने कहा, आईजीयू सरकार का आभारी है, जो ओलंपिक से पहले हमारे गोल्फरों को आयोजनों के लिए वित्त पोषण कर रही है। हमारे सभी चार शीर्ष पेशेवरों को टॉप्स (ओलंपिक पोडियम स्कीम) में रखा गया है और आईजीयू टॉप्स तथा सरकार के संपर्क में है, और हम समर्थन से रोमांचित हैं। ओलंपिक टीम की तैयारी भारत के अग्रणी गोल्फर शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर अपना ओलंपिक ग्रेड बनाने और पेरिस 2024 में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं और अगस्त में ले गोल्फ नेशनल में भाग लेने वाले 60 पेशेवरों में से एक होंगे।

पुदीने के तेल के स्वास्थ्य लाभ

लगभग सभी आवश्यक तेलों में से पुदीने का तेल सबसे ज्यादा उपयोगी और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। इसे विश्व की सबसे पुरानी औषधि भी कहा जाता है। इस तेल में विटामिन 'ए' और 'सी' के साथ मैंगनीज, मैग्नीशियम, कैल्शियम, फोलेट, पोटेशियम और कॉपर जैसे मिनरल पाए जाते हैं। इसके अलावा यह ओमेगा 3 फैटी एसिड भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। आप पुदीने के तेल के इस्तेमाल से कैसे रोगमुक्त हो सकते हैं।

इन समस्याओं में मिलता है फायदा

पाचन क्रिया को दुरुस्त रखे: औषधीय गुणों से भरपूर पुदीने का तेल पेट की समस्याओं जैसे अपच, गैस और पेट में मरोड़ आदि के लिए वरदान माना जाता है। समस्या होने पर थोडा सा पुदीने का तेल खाने में डाले या खाने के बाद इस तेल की कुछ बूंदें एक गिलास गर्म पानी में डालकर पीएं। यह आपके भूख न लगने की समस्या का भी बेहतरीन इलाज है। यह दस्त, मतली, पेट में अन्य प्रकार की गड़बड़ी आदि समस्याओं को ठीक करने में सक्षम है।

दांतों की देखभाल: पुदीने के तेल में एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं और यह सांसों की बदबू को दूर करता है। यह आपके दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ बनाता है तथा कीटाणुओं से लगता है। यह दांत दर्द में लाभदायक होने के साथ पुदीने के तेल को कई टूथपेस्ट में भी मिक्स किया जाता है।

सांस संबंधी रोगों में लाभकारी: पुदीने के तेल में मौजूद मेंथॉल से आपकी सांसों की तकलीफ काफी प्रभावी रूप से दूर होती है। यह एक उपयोगी एक्सपेक्टरेंट है, जिसकी वजह से यह आपको तुरंत राहत प्रदान करता है। पुदीने का तेल सांस संबंधित बीमारियां जैसे साइनसाइटिस, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस में भी लाभदायक है। अगर सर्दियों में आपका नाक बंद हो गया है, तो पुदीने के तेल को अपनी चेस्ट पर मलें या पानी में डालकर इसकी भाप लें। ऐसा करने से आपको तुरंत राहत मिलेगी।

सिरदर्द दूर करे: सिरदर्द की समस्या को दूर करने के लिए पुदीने का तेल काफी प्रभावी उपचार है। इस तेल को लेकर पानी मिलाकर मिक्स कर लें। इसे अपने सिर पर लगाकर अच्छे से मालिश करें। या पुदीने के तेल की कुछ बूंदें अपने रुमाल पर या कलाई पर डालकर सूंघे। यह न सिर्फ दर्द को दूर करता है, बल्कि सिर के उस भाग को सुकून भी प्रदान करता है।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए: कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग आसानी से बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इसलिए अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आप पुदीने के तेल का प्रयोग कर सकते हैं। पुदीने के तेल में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुण प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों के इलाज में मदद करता है।

मिर्गी के लिए प्रोटीन भोजन है आवश्यक

मिर्गी के रोगी को ज्यादा फैट वाला और कम कार्बोहाइड्रेड वाला डायट लेना चाहिए। मिर्गी के रोगी को प्रोटीन और विटामिन युक्त भोजन करना चाहिए। मिर्गी के रोग से पीड़ित रोगी को सुबह के समय गुनगुने पानी के साथ त्रिफला के चूर्ण का सेवन करना चाहिए। तथा फिर सोयाबीन को दूध के साथ खाना चाहिए इसके बाद कच्ची हरे पत्तेदार सब्जियां खाने चाहिए। बकरी का दूध मिर्गी के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

ये टिप्स मिटा देंगे रिश्तों के बीच की दूरियां

रिश्तों में प्यार हो तो जिंदगी बड़े अच्छे से गुजर जाती है। प्यार का अहसास कई बार रिश्तों की कड़वाहट को भी खत्म कर देता है। पति-पत्नी का रिश्ते में अगर एक-दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखा जाए तो दोनों के बीच कभी कड़वाहट नहीं आती। ऐसी ही कुछ और बातें भी हैं जिनको ध्यान में रखकर दोनों के बीच कभी दूरिया नहीं आएगी।

1. साथ रहे हमेशा

कुछ पति-पत्नी दोनों ही नौकरीपेशा होते हैं। उनको एक-दूसरे के लिए समय बिताने का मौका ही नहीं मिलता। जिससे दोनों एक-दूसरे से कटे-कटे से रहते हैं। अपने कामों से थोड़ा-सा समय निकाल कर दोनों एकसाथ समय जरूर बिताएं। ऐसा करने से रिश्ता मजबूत होता है।

2. जल्दबाजी न करें

दोनों एक दूसरे की बात को समझे, प्यार से बात को सुनें और उसका हल भी निकालें। जल्दबाजी जा नजरअंदाज करने से रिश्ते उलझने लगते हैं।

3. गलती भी मानें

यह बात भी सच है कि गलती इंसान से ही होती है। अगर आपसे कोई गलती हो जाए तो उसे छिपाने की बजाए मान लें। ऐसी कोई बात नहीं होती जिसे पार्टनर आपकी मदद न करें। कोशिश करें कि जो गलती एक बार हो गई है वह दोहराई न जाए।

4. बनावटी पन से रहे दूर

कुछ लोग अपने पार्टनर को खुश करने के लिए बनावटी पन का सहारा लेते हैं। आपका यह दिखावा आज नहीं तो कल रिश्ते में खट्टास का कारण बन सकता है। ऐसे में बनावटी पन से बचें और रिश्ते की अहमियत को समझें।

अपने महंगे कपड़ों की ऐसे करें देखभाल

कपड़े आपके व्यक्तित्व को उभारने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें लंबे समय तक सहेज कर रखने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है। ऊनी कपड़ों को ड्राई क्लीन कराएं, जबकि सफेद कपड़ों को अलग से धोएं।

डिजाइनर दिव्यम और डिजाइनर गौरव ने आसानी से कपड़ों की देखभाल करने से संबंधित ये सुझाव दिए हैं

1. कपड़ों की अलमारी के हर भाग में रूटीन के हिसाब से इस्तेमाल में लाए जाने वाले कपड़े रखें, जैसे रोजाना पहने जाने वाले कपड़े अलग हिस्से में रखें, स्पोर्ट्सवेयर, शाम को पहने जाने वाले या पटी में पहने जाने वाले और रात को पहने जाने वाले कपड़े अलग हिस्से में रखें।
2. कपड़ों को लंबे समय तक बेहतर स्थिति में बनाए रखने के लिए उन्हें फैब्रिक के हिसाब से धोएं। ऊनी और सिल्क के कपड़ों को सिर्फ ड्राई क्लीन कराएं और इन्हें उचित तापमान पर प्रेस करें।
3. सूती और लिनेन के कपड़ों को हाथ से धोकर छाया में सुखाना चाहिए। बुने हुए कपड़ों को सपाट सुखाना चाहिए। इन कपड़ों को टांगने से नेकलाइन के पास इनकी शेप बिगड़ सकती है।
4. सफेद कपड़ों को हमेशा अन्य रंग के कपड़ों से अलग धोएं, क्योंकि इन पर दूसरे रंग के कपड़े का रंग चढ़ जाने की संभावना रहती हैं।
5. अच्छे फैब्रिक वाले कपड़े खरीदें, जिससे ये ज्यादा दिन तक टिके रहें।

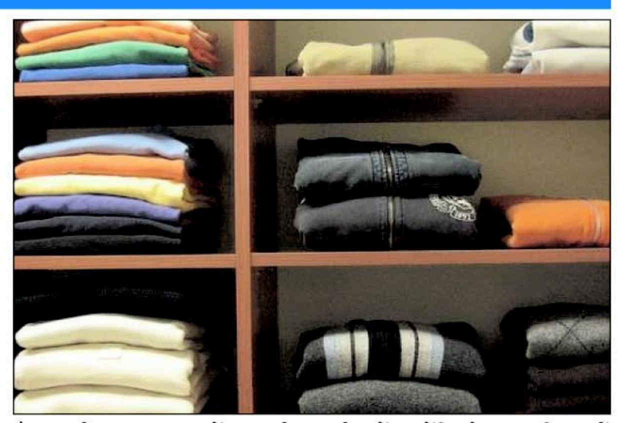

फैशन की चमक-दमक में कुछ भी न खरीद लें, क्योंकि ये ज्यादा दिन नहीं टिकते।

6. चाहे साड़ी हो, लहंगा, दुपट्टा या ब्लाउज, इन कपड़ों को सफेद सूती कवर में सहेज कर रखें।

दर्पण का सही तरीके से इस्तेमाल बनायेगा भाग्यशाली

दर्पण या आइना हमें हमारे व्यक्तित्व की झलक दिखाता है। उसके बिना अच्छे से सजने-संवरने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आइना कहां लगाना चाहिए और कहां नहीं इस संबंध में विद्वानों और वास्तुशास्त्रियों द्वारा कई महत्वपूर्ण बिंदू बताए हैं। इनका सही ढंग से उपयोग हमें भाग्यशाला बना सकता है।

भोजन कक्ष में रखे हुए बड़े आईने अथवा दीवार पर लगे आईने, ऊर्जा के अद्भुत स्रोत साबित हुए हैं। भोजन करने के लिए फेंगशुई भाग्य अर्जित करने का यह बहुत ही अच्छा उपाय है। डाइनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना डाइनिंग टेबल पर रखे खाने के दुगुने होने का आभास कराता है। डाइनिंग टेबल के सामने आईना फेंगशुई में अच्छा माना जाता है।

इस बात का खास खयाल रखा जाना चाहिए कि आईना टूटा-फूटा, नुकीला, चटका हुआ, धुंधला या गंदा न हो और उसमें प्रतिबिंब, लहरदार या टेढ़ा-मेढ़ा न दिखाई दे। हमारी शक्ल को ठीक ढंग से न दिखाने वाला दर्पण हमारे प्रभामंडल यानी ' ऑरा ' को प्रभावित करता है और ऐसे आईने के लंबे समय तक, लगातार इस्तेमाल से नेगेटिव एनर्जी पैदा होती है।

वास्तु के मुताबिक दर्पण का फ्रेम भी काफी अहम होता है। दर्पण का अपना असर इतना ज्यादा होता है कि यह जहां भी इस्तेमाल किया जाता है वहां की ऊर्जा को दोगुना कर सकता है, इसलिए फ्रेम का रंग कभी भी गर्म, तीखा या भड़कीला नहीं होना चाहिए। सुर्ख लाल, गहरे नारंगी या गुलाबी रंग के फ्रेम के इस्तेमाल से बचा जाना चाहिए। इसकी बजाए अगर फ्रेम नीला, हरा, सफेद, क्रीम या ऑफ व्हाइट हो तो बहुत अच्छा रहता है।

दर्पण हमेशा उत्तर अथवा पूर्व दिशा की ओर लगाए जाने पर ही शुभ होते है। दर्पण जितने हलके और बड़े होंगे, उनका प्रभाव उतना ही अधिक होगा। उत्तर और पूर्व की दीवार पर गोल दर्पण कभी नहीं लगाना चाहिए क्योंकि गोल दर्पण में समस्त सारी ऊर्जा उसके निचले बिंदु पर केंद्रित हो जाती है। जो भार वजन का प्रतिनिधित्व करती ह। भवन में नुकीले व तेजधार वाले दर्पण नहीं लगाने चाहिये। ये हानिकारक होते है। दर्पण का टूटना अशुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कोई मुसीबत इस दर्पण पर टल गयी है। टूटे दर्पण को तुरंत ही फेंक देना चाहिए। दुकानों और शोरूमों की छत पर दर्पण लगाने की परम्परा आधुनिक युग में है। दूकान और शोरूम के ईशान और मध्य में छत पर दर्पण नहीं लगाना चाहिए। अगर दर्पण फ्रेम कहीं से टूट-फूट जाए या उसकी लकड़ी गिर जाए तो उसे जल्द से जल्द ठीक करवाना चाहिए।

दर्पण के संबंध में एक सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बेड रूम में आइना लगाना अशुभ है। ऐसा माना जाता है कि इससे पति-पत्नी को कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां झेलनी पड़ती है। यदि पति-पत्नी रात को सोते समय आइने में देखते हैं तो इसका उनकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह वास्तु दोष ही है। इससे आपके आर्थिक पक्ष पर बुरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही पति-पत्नी दोनों को दिनभर थकान महसूस होती है, आलस्य बना रहता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लगे दर्पणों से एक प्रकार की ऊर्जा बाहर निकलती है। यह ऊर्जा कितनी अच्छी या कितनी अधिक खराब हो सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दर्पण किस स्थान पर लगा हुआ है।

दर्पण का निगेटिव प्रभाव कम करने के लिए उन्हें ढक कर रखना चाहिए अथवा इन्हें अलमारियों के अन्दर की ओर लगवाने चाहिए। पलंग पर सो रहे पति-पत्नी को प्रतिबिंबित करने वाला दर्पण तलाक तक का कारण बन सकता है। इसलिए रात्रि के समय दर्पण दृष्टि से ओझल होना चाहिए। भवन में छोटी और संकुचित जगह पर दर्पण रखना चमत्कारी प्रभाव पैदा करता है। कमरें में दरवाजे के अंदर की ओर दर्पण नहीं लगाना चाहिए।

आपके बहुत काम आएंगे ये छोटे-छोटे नुस्खे

सेहत को स्वस्थ्य रखने और बीमारियों से दूर रहने के लिए खान-पान और हैल्दी लाइफस्टाइल का होना बहुत जरूरी है। कई बार मौसम के बदलाव और एलर्जी के कारण शरीर को छोटी-छोटी परेशानियों से जूझना पड़ता है। ऐसे में हर बार दवाइयों का सेवन करने से बेहतर है कि कुछ घरेलू नुस्खे अपनाएं जाएं।

1. कफ : कफ से छुटकारा पाने के लिए गर्म दूध में सौंठ और चुटकी भर हल्दी डालकर पीने से कफ बाहर निकल जाता है।

2. पेट साफ : सुबह खाली पेट 1 गिलास पानी में थोड़ा-सा एलोवीरा जैल मिलाकर पीएं। पेट साफ हो जाएगा।

3. दमा रोग : रात को सोने से पहले भूने हुए चने के साथ एक कप गर्म दूध का सेवन करें। इससे सांस की नली साफ हो जाएगी और धीरे- धीरे दमा रोग से भी छुटकारा मिल जाएगा।

4. खून की कमी : खून की कमी दूर करने के लिए1 गिलास दूध में 5 ग्राम बेल का चूर्ण मिलाकर कुछ दिन लगातार पीएं। इससे खून की कमी पूरी हो जाती है।

5. बवासीर : बवासीर है तो 10 ग्राम काले तिल को धोकर घर में बनाए हुए ताजे मक्खन के साथ खाएं। कुछ दिनों आराम मिल जाएगा।

6. मोटापा कम: मोटापा कम करना चाहते हैं और खाना नहीं छोड़ पा रहे तो खाने में काली मिर्च शामिल करनी शुरू कर दें। तीखा खाने से भूख कम लगती है।

बदबूदार बालों से छुटकारा पाने के घरेलू उपाय

गर्मी के मौसम में पसीना आने के कारण शरीर से ही नहीं बल्कि बालों से भी बदबू आने लगती है। शरीर से आने वाली बदबू को तो परफ्यूम की सहायता से खत्म किया जा सकता हैं लेकिन सिर्फ शरीर से ही नहीं बालों से भी बहुत बदबू आती है। ऐसे में ऑयली स्कैल्प वाले लोगों को इस समस्या का सामना कुछ ज्यादा ही करना पड़ता है। यह कोई गंभीर समस्या नहीं है, इस समस्या से घर पर ही आसानी से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. नींबू : बालों को शैम्पू से धोने के बाद 1 कप पानी में 2 नींबू के रस को निचोड कर मिक्स कर लें और बालों में रिन्स कर लें। हफ्ते में एक बार इसका प्रयोग करें।

2. टमाटर: बालों की लंबाई के अनुसार इसका रस निकाल लें और बालों में मालिश करें। 20 - 30 मिनट के बाद शैम्पू कर लें।

3. जैतून का तेल: बाल धोने से पहले जैतून के तेल की मालिश करें। यह बालों के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है।

4. प्याज : इसको पीस कर पेस्ट तैयार करें और स्कैल्प पर लगा लें । आधे घण्टे बाद शैम्पू कर लें।

5. बेकिंग सोडा : बालों के अनुसार पानी और बेकिंग सोडा को मिला लें और गीले बालों में लगाएं। 5 मिनट बाद बालों को अच्छे से धोएं। यह ऑयल को कम करनें में मदद करता है।

6. शहद और दालचीनी : 1 कप उबलते पानी में आधा चम्मच दालचीनी पाइडर मिलाएं। 30 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड दें। ठंडा होने पर इसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं। 45 मिनट सिर पर लगा रहने दें और फिर बालों को शैम्पू से धोएं।

7. वोडका : एक बोतल पानी में 1 चम्मच वोडका मिलाकर मिश्रण तैयार करें। शैंम्पू के बाद इसका छिडकाव बालों पर कर लें और इसके बाद बालों को न धोएं। हफ्ते में इसका एक बार ही प्रयोग करें।

सूट के हिसाब से हो टाई का रंग, जानें कलर कनेक्शन

आपको पार्टी में जाना हो, ऑफिस की किसी जरूरी मीटिंग अटैंड करना हो तो आप फॉर्मल सूट पहनना पसंद करते हैं लेकिन अगर आपको खुद को बेहतर तरीके से पेश करना होता है तो सूट पर आपने कैसी टाई पहनी है। सूट पर किस रंग की टाई पहनना चाहिए अगर आपको पता हो तो लुक परफेक्ट होगा। आइए जानते हैं किस सूट पर किस रंग की टाई पहनी जाए।

क्लासिक कलर

ब्राउन, ब्लैक, व्हाइट, नेवी और ग्रे, ये सभी कलर क्लासिक कलर माने जाते हैं। ऐसे में नेवी और ग्रे कलर का कॉम्बिनेशन एक स्मार्ट लुक देता है।

नेवी ब्लू सूट

शाम के समय डार्क कलर की टाई संग नेवी ब्लू कलर का सूट खिलता है। वहीं अगर यह पिन-स्ट्राइप्स में हो तो पर्सनालिटी और ज्यादा निखर जाती है।

डार्क लाइट कलर

कलर कॉम्बिनेशन च्वॉइस पर भी निर्भर करता है। डार्क के साथ लाइट कलर बेस्ट लुक देता है। जैसे क्रीमी पैंट के साथ ब्लैक ब्लेजर फिट बैठता है।

डार्क में डीसेंट लुक

वहीं एक दूसरा ऑप्शन यह भी यलो और ब्लू, रेड और ब्लू जैसे कलर वाली ड्रेसेज भी डीसेंट लुक पाने के लिए पहनी जा सकती हैं।

दो तीन कलर

एक डिफरेंट लुक पाने के लिए आप एक साथ दो से तीन अलग-अलग कलर्स वाले कॉम्बिनेशन में आप सूट या फिर कोई और ड्रेस पहन सकते हैं।

रेसिपी

गोभी सोया कोरमा

सामग्री

80 ग्राम सोया (पीसा हुआ), गर्म पानी, 1 टेबलस्पून तेल,150 ग्राम फूलगोभी (कद्दू कस की हुई),1 टेबलस्पून तेल ,4 लौंग, 2 इलायची, 1/2 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 1 तेज पत्ता, 70 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून लहसुन,170 ग्राम टमाटर,1 टेबलस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक,1 टीस्पून धनिया पाऊडर, 1/2 टीस्पून जीरा पाऊडर, 1/2 टीस्पून हल्दी,1 टीस्पून लाल मिर्च,1/2 टीस्पून नमक,125 मि.ली पानी,1/4 टीस्पून गरम मसाला

विधि

गर्म पानी में सोया को भिगोकर 10-15 मिनट के लिए रख दें।एक पैन में 1 टेबलस्पूव तेल डालक गर्म करें। अब इसमें फूलगोभी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकाएं। बाद में इस एक साइड रख दें।अब एक कड़ाही में 1 टेबलस्पून तेल डालकर लौंग, इलायची, दालचीनी का टुकड़ा, तेज पत्ता और प्याज डालकर फ्राई करें। प्याज ब्राउन होने पर इसमें लहसुन और टमाटर डाल कर मिक्स करें।अब इसमें हरीमिर्च, अदरक, धनिया पाऊडर, जीरा पाऊडर, हल्दी, लालमिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें 125 मिली पानी डालें और उबलने दें। अब इसमें सोया डाल कर अच्छे से मिक्स करें और 10-15 मिनट के लिए पकाएं।तैयार मिश्रण में फूलगोभी और गरम मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसे 5-6 मिनट पकाएं। गोभी सोया कोरमा तैयार है। इसे सर्व करें।

क्रिस्पी पनीर फिंगर्स

सामग्री

पनीर - 400 ग्राम, लाल मिर्च - 1 चम्मच, नमक - 1 चम्मच, धनिया - 1/2 चम्मच, सफेद मिर्च - 1 चम्मच, मैदा - 60 ग्राम, कॉर्न स्टार्च - 35 ग्राम, पानी - 100 मिलीलीटर, ब्रैड क्रुम्ब - डिप करने के लिए

विधि

सबसे पहले 400 ग्राम पनीर ले और 1 चम्मच लाल मिर्च, 1 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच धनिया, 1 चम्मच सफेद मिर्च डालकर पनीर के टुकड़ों को अच्छी तरह से मिश्रित कर लें।अब इसे15 मिनट के लिए मेरिनेट करने के लिए रख दें। अब एक कटोरे में 60 ग्राम मैदा, 35 ग्राम कॉर्न स्टार्च, 100 मि.ली पानी डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। मिश्रित पनीर के टुकड़ों को मिक्चर में डिप करें और ब्रैड क्रुम्ब में डालकर अच्छे तर से रोल कर लें। अब एक पैन में तेल डालकर इनको रोल्स को हल्का सुनहरा और कुरकरे होने तक तलें। अब इनको तलने के बाद शोषक कागज में पर रखें। सॉस के साथ गर्मा-गर्म परोंसे।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**